RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 176 , शनिवार, 08 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मैराथन दौड़ के साथ युवा चम्पारण महोत्सव 2026 का हुआ भव्य आगाज़, पहले ही दिन उमड़ा ... 03

ऐतिहासिक तस्वीरों का संरक्षण राष्ट्र की जिम्मेदारी : हरिप्रसाद रेग्मी 04

नितेश तिवारी की मचअवेटेड फिल्म रामायण से बॉलीवुड डेब्यू करने को... 07

संक्षिप्त समाचार

एक्सीडेंट में युवक की मौत,पटना में बवाल

- 10 गाड़ियां फूंकीं,ट्रैफिक पुलिस चौकी जलाई

पटना (एजेंसी)। पटना में सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के जीरो माइल के पास शुक्रवार सुबह की है, जहां तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने उस बस

को आग लगा दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उसे रोक दिया। इसके बाद हालात और बिगड़ते चले गए। मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तनाव और बढ़ गया। गुस्साई भीड़ ने 2 पुलिस गाड़ियों, बसों और बाइक समेत करीब 10 वाहनों में आग लगा दी। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट जला दी। नेशनल हाईवे-30 पर जाम लगा दिया। पत्रकारों से मारपीट की। मौके पर 9 थानों की पुलिस तैनात की गई है। 26 साल का मनीष पटना में फ्लेक्स का काम करता था। वो अपने गांव से रोज पटना आता-जाता था।

हूती विद्रोहियों का यमन और सऊदी अरब पर हमला

यमन के 58 सैनिकों की मौत सऊदी में 11 घायल

रियाद (एजेंसी)। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए। पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हुआ, जिसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हो गए। यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सही समय और सही जगह पर जवाब दिया जाएगा। दूसरा हमला सऊदी के नजरान में हुआ, जिसमें 11 नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी, एक यमनी, दो

मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं, एक 4 साल का एक बच्चा भी घायल हुआ है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।

अमेरिका-ईरान के बीच होर्मुज डील जल्द संभव

एक रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता जल्द हो सकता है। ईरान-ओमान के बीच मसौदा अंतिम चरण में है। ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत की पहल की है और दोनों देशों के बीच वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है। उनके मुताबिक, समझौता ईरान के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा। समुद्री ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, होर्मुज स्ट्रेट से बुधवार को सिर्फ 2 जहाज गुजरे, जबकि तनाव से पहले यहां रोज 130-140 जहाज गुजरते थे। बाब-अल-मंदेब में भी शिपिंग ट्रैफिक लगातार घट रहा है।

एससी-एसटी आरक्षण में लागू नहीं है क्रीमी लेयर

- केंद्र का हलफनामा,सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा अपना मत
- कहा-यह सिद्धांत सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी पर लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं होता। सरकार ने उन जनहित याचिकाओं (पीआईएल) का विरोध किया है, जिनमें एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने और सरकारी नौकरियों में अधिक न्यायसंगत आरक्षण नीति बनाने की मांग की गई है। केंद्र ने कहा कि याचिकाओं में संविधान के तहत किसी मौलिक अधिकार के उल्लंघन का जिक्र नहीं है। साथ ही, मौजूदा कानून में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि क्रीमी लेयर का नियम एससी-एसटी पर लागू होता है। सरकार के मुताबिक, यह अवधारणा सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी आरक्षण से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 11 अगस्त को रमाशंकर प्रजापति और अन्य की जनहित याचिकाओं पर केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया था। याचिका में कहा गया कि अगर किसी एससी-एसटी परिवार का सदस्य पहले ही संवैधानिक या वरिष्ठ सरकारी पद हासिल कर चुका है, तो उसके बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इससे आरक्षण का फायदा आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों तक ज्यादा समान रूप से

पहुंच सकेगा। याचिकाकर्ताओं ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को उप-श्रेणी (सब-कैटेगरी) बनाकर उन्हें प्रवेश और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने की भी मांग की है।

सिर्फ संसद को एससी-एसटी सूची में बदलाव करने का मिला है अधिकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि एससी और एसटी की सूची में किसी भी तरह का बदलाव केवल संसद ही कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत किसी जाति या जनजाति को सूची में शामिल करने या हटाने का अधिकार सिर्फ संसद के पास है। केंद्र ने यह भी कहा कि याचिका स्थापित कानून की अनदेखी करती है। सरकार ने इंदिरा साहनी (मंडल आयोग) मामले का हवाला देते हुए कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी की पहचान ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर होती है, सिर्फ आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं। केंद्र ने कहा कि एससी, एसटी और एसईबीसी के लिए चलाई जा रही अधिकांश कल्याणकारी योजनाओं में पहले से आय सीमा लागू है, ताकि योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन योजनाओं में बदलाव की जरूरत है और इससे गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को कैसे फायदा होगा।

संसद में विपक्ष का प्रदर्शन | दोनों सदन स्थगित

- लोकसभा से एमएसएमई संशोधन बिल हुआ पास
- कांग्रेस का सभी सांसदों को सदन में रहने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद परिसर में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) एमएसएमई विधेयक 2026 ध्वनिमत से पास हुआ। दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे लगाए। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शाह सुबह से रात तक संसद में ही रहते हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं। कांग्रेस ने लोकसभा और राज्यसभा के अपने सभी सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का

व्हिप जारी किया है। पार्टी ने कहा है कि इन दिनों संसद में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी, इसलिए सभी सांसदों की उपस्थिति जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक, सहयोगी दलों से भी अपने सांसदों की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा है।

मोदी ने टीएमसी-उद्धव गुट के बागी सांसदों से मुलाकात की

संसद के मानसून सत्र में जारी हंगामे के बीच पीएम मोदी ने एनडीए के नए लोकसभा सांसदों के साथ शुक्रवार को ब्रेकफास्ट मीटिंग की। यह बैठक पीएम आवास में हुई। इसमें करीब 45 सांसद शामिल हुए। जिनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे। ममता की पार्टी टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। वहीं शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सासंद भी शिंदे गुट के साथ आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए एक परिवार है। हम सहयोगी दलों के साथ हैं। हर व्यक्ति का सम्मान किया जाएगा। मैं एनडीए के हर सांसद के साथ खड़ा हूं। आपको किसी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

- डीएमके ने बीजेपी के उम्मीदों को दिया झटका

उदयनिधि बोले,परिसीमन बिल का समर्थन कभी नहीं करेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। डीएमके ने केंद्र की एनडीए सरकार के उम्मीदों को तगड़ा झटका दिया है। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी परिसीमन बिल का

विरोध करेगी। तमिलनाडु में कांग्रेस के गठबंधन बदलने के बाद यह चर्चा थी कि अब डीएमके नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी परिसीमन बिल का समर्थन कर सकती है। उदयनिधि स्टालिन ने स्पष्ट किया है कि डीएमके ने शुरू से ही परिसीमन का विरोध किया है और आगे भी करती रहेगी। उदयनिधि स्टालिन ने परिसीमन बिल का समर्थन देने से साफ इनकार किया है। डीएमके पहले भी संसद में 131वें संविधान संशोधन विधेयक का विरोध कर चुकी है। तब डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने विरोध के तौर पर परिसीमन बिल की कॉपी जलाई थी। डीएमके के लोकसभा में 22 और राज्यसभा में 8 सांसद हैं। लोकसभा में इस बिल को पास करने के लिए कम से कम 362 वोटों की जरूरत होगी, जबकि राज्यसभा में 164 सांसदों का समर्थन जरूरी है। लोकसभा में एनडीए के पास लगभग 318 सांसद हैं।

मोदी से मिले बादल पंजाब में होगा 'खेला'

- दोबारा अकाली और बीजेपी गठजोड़ के मिले संकेत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल शुक्रवार सुबह दिल्ली पहुंचे और पार्लियामेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद अकाली दल और भाजपा गठबंधन की चर्चा होने लगी है। पंजाब विधानसभा चुनाव में तकरीबन चार-पांच महीने का टाइम बचा है। माना जा रहा है कि दोनों दलों के शीर्ष नेताओं की मुलाकात के बाद अब गठबंधन फाइनल हो सकता है। इधर, मोदी-सुखबीर की मुलाकात पर आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने

तंज कसा-ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे। केजरीवाल ने दोनों पर तंज कसा।

अकाली-भाजपा ने मिलकर 3 बार सरकार बनाई

पंजाब में अकाली दल और बीजेपी का गठबंधन वर्ष 1996 में हुआ और तकरीबन 25 साल चला। ये पंजाब की सियासत के सबसे सफल सियासी गठजोड़ों में से एक रहा। दोनों पार्टियों ने गठबंधन के महज एक साल बाद वर्ष 1997 में पहली गठबंधन सरकार बनाई। दोनों पार्टियों को 2007 और 2012 के विधानसभा चुनाव में भी पूर्ण बहुमत मिला। पंजाब के पूर्व सीएम और सुखबीर बादल के पिता स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल अकाली-बीजेपी गठबंधन को नोह-मास के रिश्ते जैसा बताया करते थे।अर्थ होता है-अंगुली के नाखून और स्किन की तरह आपस में जुड़ा होना।

- 50 हजार करोड़ का डिफेंस एक्सपोर्ट करेगा भारत

ब्रह्मोस तो सिर्फ एक झांकी,कई हथियार अभी बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्षों से भारत के रक्षा निर्यात की कहानी का मुख्य आकर्षण ब्रह्मोस रही है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल इस बात का प्रतीक बन गई है कि भारत दुनिया को क्या बनाकर बेच सकता है। लेकिन रक्षा निर्यात के अगले चरण में केवल किसी एक बड़े हथियार का दबदबा नहीं होगा, बल्कि अब नई पीढ़ी के ड्रोन, सटीक मारक क्षमता वाले हथियार, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोनोमस सिस्टम अपनी जगह बना रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष

2026 में भारत का रक्षा निर्यात 62.66 प्रतिशत की भारी उछाल के साथ 38,424 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले 23,622 करोड़ रुपये था। देश अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है, जबकि निर्यातकों की संख्या भी 128 से बढ़कर 145 हो गई है। ये आंकड़े प्रभावशाली हैं,लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत अब दुनिया को क्या बेच रहा है।

युद्ध के बदलते स्वरूप से हथियारों का बाजार भी बदला

युद्ध का मैदान अब केवल लड़ाकू विमानों, टैंकों और महंगी मिसाइलों तक सीमित नहीं है। हाल के वर्षों में हुए युद्धों ने ड्रोन, लॉयटरिंग म्यूनिशन्स, सटीक मार करने वाले हथियारों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और वायु-रक्षा प्रणालियों को सैन्य रणनीतियों के केंद्र में ला दिया है। दुनिया भर के देश अब ऐसे हथियारों की तलाश कर रहे हैं जो दूर तक मार कर सकें, सटीक हमला कर सकें, स्वतंत्र रूप से काम कर सकें और सबसे महत्वपूर्ण बात, जो पारंपरिक हथियारों की तुलना में सस्ते हों। भारत का रक्षा उद्योग भी तेजी से इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसका एक बड़ा उदाहरण नोएडा स्थित कंपनी आईजी डिफेंस द्वारा विकसित लंबी दूरी का वन-वे अटैक ड्रोन काल है। कंपनी का कहना है कि यह सिस्टम 1,000 किमी तक की दूरी तय कर सकता है, 7-8 घंटे हवा में रह सकता है और अपने साथ 50 किलोग्राम पेलोड ले जा सकता है।

स्मार्ट होते हथियार का ब्रेन बेहद तेज

इस कहानी का एक और पहलू है जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, वह हथियार के अंदर मौजूद तकनीक है। एक मिसाइल या तोप का गोला सुर्खियां तो बटोर सकता है, लेकिन उसका फ्यूज, गाइडेंस सिस्टम, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स ही यह तय करते हैं कि वह हथियार कितना सटीक और प्रभावी ढंग से काम करेगा। यहीं पर एम्यूनिक सिस्टम्स जैसी कंपनियों को बड़ा अवसर दिखाई देता है। कंपनी की सीईओ प्रियंका सिंघल का तर्क है कि भारत की रक्षा निर्यात कहानी को केवल तैयार हथियारों के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। सिंघल कहती हैं कि ब्रह्मोस भले ही सुर्खियां बटोरता है, लेकिन रक्षा निर्यात क्षमता बढ़ी है।

एशिया का इकलौता हिल स्टेशन जहां है गाड़ियों की 'नो-एंट्री'!

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सह्याद्रि रेंज पर स्थित माथेरान भारत के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक है। इस हिल स्टेशन की सबसे खास बात है कि यह एशिया का एकलौता ऐसा हिल स्टेशन है, जहां किसी भी गाड़ी की एंट्री

अंग्रेजों ने खोजी थी महाराष्ट्र की ये खूबसूरत जगह, नाम है माथेरान

बैन है। जी हां, इस जगह पर गाड़ियों को लाने पर मनाही है। यही वजह है कि ये भारत के सबसे शांत और पॉल्यूशन फ्री इलाकों में से एक है। यहां घूमने के लिए या तो आपको पैदल चलना पड़ेगा या आप घोड़े या हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा का इस्तेमाल कर सकते हैं। मानसून में घूमने के लिए यह जगह बेस्ट है, क्योंकि इस समय वेस्टर्न घाट की

खूबसूरती की कोई मिसाल नहीं है। माथेरान बेहद खास है।

ब्रिटिश काल की झलक,पोलिंत्ज मालेट ने की खोज- 19वीं सदी के मध्यम में ह्यू पोलिंत्ज मालेट ने इस शहर की खोज की थी। गर्मी से बचने के लिए अंग्रेज गर्मी के मौसम में यहां रहने या वेकेशन के लिए आया करते थे। इसलिए आज भी आपको यहां ब्रिटिश काल की झलक दिखाई देगी। साथ ही, यहां की टॉय ट्रेन, जो यूनेक्सको हेरिटेज लिस्ट में शामिल है, पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। पैनोरमा पॉइंट- इसे सनराइज पॉइन्ट भी कहा जाता है। उगते सूरज की रोशनी इस जगह को और भी खूबसूरत बना देती है।

सूर्योदय के समय इस पॉइन्ट से चारों और का नजारा देखना काफी अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। शारलोट झील- यह झील माथेरान की पानी का सोर्स है और यहां की सबसे शांत जगहों में से एक। घने जंगलों से घिरी ये झील पिकनिक, बर्ड व्यूईंग और शांत माहौल में घूमने के लिए सबसे बेस्ट है। मानसून में झील पानी से पूरी भर जाती है और देखने में और भी खूबसूरत लगती है। यहां पास में ही पिसारनाथ मंदिर भी है, जो भगवान शंकर को समर्पित है।

ट्रम्प की सख्ती से भारतीय छात्रों का अमेरिका जाना कम

65 साल में पहली बार अप्रवासियों की संख्या हुई है कम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में पढ़ाई का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के लिए अब राह पहले जैसी आसान नहीं रही। ट्रम्प सरकार की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के बीच 2025 में भारतीय छात्रों को मिलने

वाले एफ-1 स्टूडेंट वीजा में बड़ी गिरावट आई है। इसके उलट पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के छात्रों को पहले के मुकाबले ज्यादा वीजा मिले हैं। सख्ती का असर सिर्फस्टूडेंट वीजा तक सीमित नहीं है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 में अमेरिका में अप्रवासियों की संख्या रिकॉर्ड 5.33 करोड़ थी, जो जून तक घटकर 5.19 करोड़ रह गई। 1960 के दशक के बाद पहली बार वहां अप्रवासियों की आबादी में गिरावट दर्ज की गई है।

संक्षिप्त समाचार

गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम, वैशाली में मेंटल हेल्थ पर स्पेशल सेशन

हाजीपुर। वैशाली के राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए विशेष सत्र का आयोजन किया गया। स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम-2026 के छठे दिन यह सत्र व्यक्तित्व विकास, मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति पर केंद्रित था। इसमें विद्यार्थियों के शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ उनके मानसिक, शारीरिक और व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इंडक्शन प्रोग्राम का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों का स्वागत करना नहीं है। इसका लक्ष्य उन्हें अनुशासित, आत्मविश्वासी, स्वस्थ और जिम्मेदार अभियंता के रूप में तैयार करना है। उन्होंने छात्रों से तकनीकी शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, सकारात्मक सोच, अनुशासन, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी को अपनाने का आह्वान किया। ब्रह्माकुमारी संस्थान की बीके प्रियंका और बीके श्रुति ने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, आत्म-अनुशासन, सकारात्मक सोच, ध्यान और मानसिक संतुलन जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। 'नई भारत-ए बेटर टुमॉरो' अभियान के तहत नशा मुक्ति के प्रति भी छात्रों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने बताया कि नियमित ध्यान और सकारात्मक जीवनशैली मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है। प्राचार्य प्रो. श्रीवास्तव ने इस बात पर जोर दिया कि अच्छे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बिना तकनीकी विकास अधूरा है। उन्होंने कहा कि एक सफल अभियंता बनने के लिए तकनीकी दक्षता के साथ-साथ आंतरिक दृढ़ता, सकारात्मक सोच और मानवीय मूल्यों का विकास भी आवश्यक है। सत्र के अंत में एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जहाँ विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से सवाल पूछकर मार्गदर्शन प्राप्त किया। महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को स्वस्थ, जागरूक, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हाजीपुर में डायल-112 टीम ने बचाई युवती की जान

हाजीपुर। पातेपुर क्षेत्र में डायल-112 टीम को एक युवती ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास करने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पातेपुर डायल-112 टीम ने बिना समय गंवाए महज 8-10 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचकर युवती को तत्काल अपने वाहन से सरकारी अस्पताल पहुंचाया। टीम ने तत्परता दिखाते हुए अस्पताल कर्मियों को बुलाकर युवती का उपचार तुरंत प्रारंभ कराया। डायल-112 टीम की त्वरित कार्रवाई के कारण युवती को समय रहते आवश्यक चिकित्सा सहायता मिल सकी और उसकी जान बचाई जा सकी। इसके उपरांत, डायल-112 टीम द्वारा युवती के माता-पिता एवं ससुराल पक्ष के परिजनों को सूचित कर अस्पताल बुलाया गया, ताकि उन्हें आवश्यक सहयोग एवं देखभाल मिल सके। इस कार्रवाई में पातेपुर डायल-112 टीम के सिपाही सिकंदर कुमार (PTC/323) और महिला सिपाही रूबी कुमारी (म०सि०/1461) शामिल थे।

पूर्व विधायक मुकेश रोशन ने आरोपों को बताया राजनीतिक साजिश, हाजीपुर रामाशीष चौक बस स्टैंड विवाद

हाजीपुर। हाजीपुर के रामाशीष चौक बस स्टैंड विवाद में पूर्व विधायक और राजद नेता डॉ. मुकेश रोशन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश का हिस्सा करार दिया। डॉ. रोशन ने कहा कि पिछले दो दिनों से उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से एक सुनियोजित राजनीतिक साजिश रची जा रही है। उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में मारपीट और चेन लूट जैसी घटनाओं में संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं, जिनका उन्होंने खंडन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका ऐसे किसी भी कृत्य से कोई संबंध नहीं है। पूर्व विधायक ने अपनी छवि का हवाला देते हुए कहा कि वह विधायक रह चुके हैं और पेशे से चिकित्सक हैं। वे लंबे समय से समाजसेवा से जुड़े रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे आरोप उनकी सामाजिक और राजनीतिक छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से लगाए जा रहे हैं। डॉ. रोशन ने आरोप लगाने वाले लोगों पर पलटवार करते हुए कहा कि वे स्वयं शराब कारोबार और अन्य असामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। रामाशीष चौक बस स्टैंड के विवाद पर डॉ. रोशन ने बताया कि बस स्टैंड की टेंडर प्रक्रिया और संचालन पूरी तरह जिला प्रशासन के अधीन है। उन्होंने मीडिया के सामने प्रशासन द्वारा जारी 18 रुपए की वसूली रसीद भी दिखाई और दावा किया कि शुल्क की वसूली प्रशासन के नियंत्रण में हो रही है। इस प्रकार, बस स्टैंड की वसूली व्यवस्था से उनका कोई लेना-देना नहीं है।डॉ. रोशन ने यह भी बताया कि वर्ष 2021 में महुआ विधायक रहते हुए उन्होंने विधानसभा में रामाशीष चौक बस स्टैंड का मुद्दा उठाया था। इसके बाद सरकार की ओर से हाजीपुर के सेंदुआरी स्थित चपुता में नए बस स्टैंड के निर्माण का निर्णय लिया गया था। पूर्व विधायक ने दावा किया कि कुछ लोगों द्वारा उन्हें उनके पिता की वर्ष 1993 में हुई हत्या जैसी घटना दोहराने की धमकी दी जा रही है।

स्टेशन के बाहर महिला ने स्वस्थ बेटे को दिया जन्म

हाजीपुर। वैशाली के महनार रोड रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को एक महिला ने एम्बुलेंस पहुंचने से पहले ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। महिला को प्रसव पीड़ा होने पर ट्रेन से स्टेशन पर उतारा गया था। सूचना मिलने पर महनार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम मौके पर पहुंची और जच्चा-बच्चा को सुरक्षित अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं। पहाड़पुर विशुनपुर पंचायत के सुरहा गांव निवासी ललिता देवी (पति मनोज पासवान) अपने ससुराल भगवानपुर से मायके सुरहा जा रही थीं। हाजीपुर से महनार के रास्ते में ट्रेन में ही उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। महनार रोड रेलवे स्टेशन पर उन्हें ट्रेन से उतारा गया। स्टेशन पर मौजूद लोगों ने तत्काल महनार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सूचित कर एम्बुलेंस बुलाई। लेकिन एम्बुलेंस पहुंचने से पहले ही महिला ने स्टेशन परिसर के बाहर एक बेटे को जन्म दे दिया। इसके बाद मौके पर पहुंची स्वास्थ्य टीम ने प्राथमिक देखभाल कर जच्चा-बच्चा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महनार पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पूनम सिन्हा ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल एम्बुलेंस भेजी गई थी। उन्होंने पुष्टि की कि महिला ने एक स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया है और जच्चा-बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। अस्पताल में उन्हें आवश्यक चिकित्सीय देखभाल प्रदान की जा रही है। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. प्रियरंजन ने बताया कि महिला पहाड़पुर विशुनपुर पंचायत के सुरहा गांव की निवासी है। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल में जच्चा-बच्चा दोनों की स्थिति सामान्य है और उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

किराए का कमरा लेकर रेकी, फिर करते थे चोरी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में स्कॉर्पियो चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा किया है। सदर थाना पुलिस ने अंतरजिला वाहन चोर गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को वैशाली जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य पहले किराए का मकान लेकर इलाके की रेकी करते थे। इसके बाद मास्टर चाबी और अन्य उपकरणों की मदद से स्कॉर्पियो चोरी कर उसे दूसरे जिले में ले जाकर बेच देते थे। इस मामले में पुलिस ने दो चोरी की कारें भी बरामद की हैं। इनके अंदर से अलग-अलग नंबर प्लेट, गैस कटर मशीन, रिंच और वाहन चोरी में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण मिले हैं। पुलिस ने गिरोह के दो अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सदर थाना क्षेत्र में 3 अगस्त को वाहन चोरी से संबंधित प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान सूचना मिली कि तीन संदिग्ध अंजना कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना स्कॉर्पियो, मोहम्मद अनवर और राजू कुमार राय चोरी की दो गाड़ियों के साथ फोरलेन पर मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी की, लेकिन पुलिस को देखते ही तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। हालांकि, पुलिस ने वहां खड़ी हुंडई आई-20 और स्विफ्ट डिजायर को जब्त कर लिया। जांच में दोनों गाड़ियां चोरी की निकलीं। तलाशी के दौरान दोनों वाहनों से दो अन्य नंबर प्लेट, गैस कटर मशीन, रिंच और कुछ अन्य उपकरण बरामद किए गए। पुलिस को आशंका है कि इन उपकरणों का इस्तेमाल चोरी की वारदातों में किया जाता था। बरामद सामान को विधिवत जब्त कर लिया गया है।

एक्सीडेंट में युवक की मौत पर बवाल, 10 गाड़ियां फूंकीं

एजेंसी, पटना

- ट्रैफिक पुलिस चौकी जलाई, हाईवे जाम, 9 थानों की फोर्स मौके पर तैनात

पटना में सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के जीरो माइल के पास शुक्रवार सुबह की है, जहां तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने उस बस को आग लगा दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उसे रोक दिया। इसके बाद हालात और बिगड़ते चले गए। मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तनाव और बढ़ गया।

गुस्साई भीड़ ने 2 पुलिस गाड़ियों, बसों और बाइक समेत करीब 10 वाहनों में आग लगा दी। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट जला दी। नेशनल हाईवे-30 पर जाम लगा दिया। पत्रकारों से मारपीट की। मौके पर 9 थानों की पुलिस तैनात की गई है। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को खदेड़ दिया है। ट्रैफिक व्यवस्था बहाल कर दी गई है। अब प्रशासन आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों ने तोड़फोड़, आग लगाने की घटना को अंजाम दिया है, उन लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

26 साल का मनीष पटना में फ्लेक्स का काम करता था। वो अपने गांव से रोज पटना आता-जाता था। मनीष तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। वो रोज की तरह आज सुबह 7 बजे भी काम पर निकला था।

भीड़ को देखकर पुलिस भाग गईः चश्मदीद बालेश्वर ने बताया कि पहाड़ी मोड़ ट्रैफिक पोस्ट के मेरा दुकान है। लोगों की भीड़ चारों तरफ से आ रही थी। भीड़ को देखकर ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात 5 पुलिसकर्मी भाग निकले। हम भी भाग गए। इसके बाद भीड़ ने पुलिस पोस्ट में आग लगा दी।

उपद्रवियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगीः पटना सिटी के SDPO राज किशोर सिंह ने बताया कि एक आदमी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इस घटना से नाराज लोगों ने सड़क पर गाड़ियों में तोड़फोड़ की। पुलिस की गाड़ी में भी लोगों की ओर से आग लगाई गई। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। उपद्रवियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

5 जिलों में तेज बारिश, 15 में अलर्ट

एजेंसी, पटना

- मुजफ्फरपुर में उफान पर बागमती, गांवों में कमर तक पानी, बगहा में 300 घर डूबे

नेपाल में हो रही बारिश से मुजफ्फरपुर में बागमती नदी उफान पर है। जिसके चलते कटरा प्रखंड के निचले इलाकों में कमर तक पानी घुस गया है। बकुची गांव में 12 से अधिक घर डूब गए हैं। बकुची प्राथमिक विद्यालय और नवादा माध्यमिक विद्यालय में भी पानी भर गया है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बगहा में गंडक का पानी दो पंचायतों की 300 घरों में घुस गया है। लोगों के लिए नाव ही आने-जाने का एक मात्र साधन बचा है। कई लोग ऊंचे स्थानों में शरण ले रहे हैं। पटना, बेगूसराय, बेतिया और मधेपुरा में आज तेज बारिश हुई है। दोपहर बाद मुजफ्फरपुर में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 15 जिलों के लिए बारिश, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। बक्सर समेत 5 जिलों में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 10 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। इन जिलों में 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। राज्य के बाकी 23 जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, बिहार में 8 अगस्त तक बारिश का दौरा जारी रहेगा। कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पटना समेत कुछ जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक, शुक्रवार के बाद बारिश का दायरा धीरे-धीरे उत्तर और पूर्वी बिहार की तरफ बढ़ेगा। 8 अगस्त को दक्षिण-पूर्व बिहार के साथ कटिहार, पूर्णिया और पश्चिम चंपारण में भारी बारिश की संभावना है। 9 अगस्त को उत्तर बिहार में बारिश का जोर सबसे अधिक रहने के आसार हैं। इस दिन अररिया, दरभंगा, किशनगंज, मधुबनी, सीतामढ़ी, सुपौल और पश्चिम चंपारण में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान पटना, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, खगड़िया, समस्तीपुर, कटिहार, जहानाबाद और बांका में बारिश दर्ज की गई।

पीएमसीएच में लिफ्ट में पहले घुसने को लेकर जमकर मारपीट

एजेंसी, पटना

पटना के PMCH की नई बिल्डिंग में शुक्रवार को मरीजों के परिजनों के बीच लिफ्ट में पहले घुसने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। करीब 20 मिनट तक चले हंगामे के दौरान लात-घूंसे और बेल्ट से मारपीट की गई। इससे लिफ्ट का इंतजार कर रहे अन्य मरीजों के परिजनों के बीच भी अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, समय रहते TOP प्रभारी और सुरक्षा गार्डों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

लिफ्ट में पहले घुसने को लेकर शुरू हुआ विवादः परसा बाजार निवासी अमित ने पीरबहोर थाने में दिए आवेदन में बताया कि लिफ्ट में पहले प्रवेश करने को लेकर उनका कुछ लोगों से विवाद हुआ था। इसी दौरान दो अज्ञात लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्षों के बीच हाथापाई होने लगी। कुछ लोग लात-घूंसे और बेल्ट से मारपीट करते नजर आए।

घटना का CCTV फुटेज सामने आया है, जिसमें एक पक्ष दूसरे पक्ष के लोगों के साथ लात-घूंसे और बेल्ट से मारपीट करता दिखाई दे रहा है। मारपीट के दौरान लिफ्ट के पास मरीजों के परिजन इधर-उधर भागते नजर आए। अचानक हुए इस हंगामे से अस्पताल की नई बिल्डिंग में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पटना में हड़ताल हुआ खत्म, आठ दिनों में शहर में 7500 टन कचरा हुआ जमा, साफ होने में लगेंगे 4 दिन

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम सहित पूरे बिहार के नगर निकायों में 8 दिनों से जारी आउटसोर्स सफाईकर्मियों की हड़ताल खत्म हो गई है। गुरुवार को नगर विकास मंत्री नीतीश मिश्रा के साथ बैठक के बाद कर्मचारी संगठनों ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा की। आज से सभी सफाई कर्मी काम पर लौट आए हैं और रेगुलर कचरे का उठाव शुरू हो गया है, लेकिन बीते 8 दिनों में शहर में 7500 टन कचरा जमा हो गया है। इन सभी 75 वार्डों में फैली गंदगी को पूरी तरह से साफ करने में कम से कम 4 दिन का वक्त लगेगा।

राजधानी में हर दिन निकलता है 1200 टन कचराः राजधानी में हर दिन 1200 टन कचरा निकलता है। पटना नगर निगम की टीम ने बीते 7 दिनों से रात में पुलिस की निगरानी में हर दिन करीब 300 टन कचरे का उठाव किया। ऐसे में शहर में अभी भी 7500 टन कचरा फैला हुआ है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। निगम के मुताबिक, बारिश के कारण कूड़ा सड़कों पर ही फैल गया है, जिससे स्थिति और भी ख़राब हो गई है। आज से डोर टू डोर गाड़ियां भी निकलेगी, लेकिन कई जगह पर गाड़ियों के टायर पंचर होने की भी शिकायत आयी है। ऐसे में सफाई कर्मियों को निकलने में देरी हो सकती है। हालांकि, नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने 24 घंटे में सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने का निर्देश दिया है।

सरकार से बातचीत के बाद बनी सहमतिः पटना नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश ने बताया, दैनिक कर्मियों को छुट्टी से लेकर ग्रेच्युटी तक सुविधा दी जाएगी। रिटायरमेंट के बाद उन्हें पेंशन भी मिलेगी। यह सभी सुविधाएं परमानेंट कर्मियों की तरह होगी।'

सूत्रों के मुताबिक, सीएम सम्राट चौधरी का ऑर्डर दिया था कि किसी भी हाल में आज हड़ताल खत्म होनी चाहिए। साथ ही आंदोलन के दौरान जो भी दंडात्मक करवाई है, उसको भी खत्म करना है। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि सफाई कर्मियों के हित के लिए जो निर्णय लेना होगा वो हम लेंगे। कई मांगों पर सहमति बनी है। वहीं कई मांगों को लेकर समिति बनाई जाएगी, फिर फैसला लिया जाएगा।

बिहटा से ऑस्ट्रेलिया भेजा गया 25 टन मखाना

एजेंसी, पटना

- कृषि मंत्री ने 7 कंटेनर ट्रकों को दिखाई हरी झंडी, दरभंगा के किसानों ने रखीं समस्याएं

बिहार के मखाना उद्योग के लिए शुक्रवार को एक बड़ी उपलब्धि सामने आई। पटना के बिहटा प्रखंड स्थित सिकंदरपुर औद्योगिक क्षेत्र से 25 टन मखाना लेकर सात कंटेनर ट्रकों को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना किया गया। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर कंटेनरों को रवाना किया। JITBAN SUPPLY CHAIN के सहयोग से भेजी जा रही मखाना की यह खेप पहले बिहटा स्थित इनलैंड ड्राई पोर्ट डिपो पहुंचेगी। वहां से कंटेनरों को रेल मार्ग से कोलकाता भेजा जाएगा।

इसके बाद कोलकाता बंदरगाह से समुद्री मार्ग के जरिए मखाना ऑस्ट्रेलिया पहुंचेगा। कार्यक्रम में कृषि विभाग और कस्टम विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान कृषि मंत्री ने मखाना की पैकेजिंग से जुड़ी JITBAN SUPPLY CHAIN की इकाई का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मखाना की पैकेजिंग, प्रसंस्करण और निर्यात की प्रक्रिया की जानकारी ली।

किसानों से मिले कृषि मंत्री, सुनी समस्याएंः कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने दरभंगा, पूर्णिया, अररिया और सीमांचल क्षेत्र के विभिन्न गांव से पहुंचे मखाना किसानों से मुलाकात की। किसानों ने मखाना की खेती में सरकारी सहायता, उचित कीमत और योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग रखी। दरभंगा से पहुंचे किसान राज कुमार सिंह ने बताया कि वे अपने पैसे से मखाना की खेती करते हैं और पहले व्यापारियों को कम कीमत पर मखाना बेचना पड़ता था। उन्होंने सरकार से खेती के लिए आर्थिक और तकनीकी सहायता देने की मांग की।

महिला किसान अंबिका देवी ने भी बताया कि मखाना की खेती ही उनका मुख्य कारोबार है। वे हर साल अपनी पूंजी लगाकर खेती करती हैं, लेकिन अब तक सरकारी योजनाओं का पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने कृषि मंत्री के सामने अपनी मांगें रखीं। मंत्री ने मखाना क्षेत्र में सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए सहयोग का भरोसा दिया।

बिहार के लिए गर्व की बात-विजय सिन्हाः कृषि मंत्री ने कहा कि बिहार के लिए यह गर्व की बात है कि यहां का मखाना अब विदेशों तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प और डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से बिहार भी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा, 'किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है और सरकार मखाना सहित कृषि क्षेत्र से जुड़े किसानों के लिए लगातार योजनाएं चला रही है।'

बिहार के मखाना को मिलेगा वैश्विक बाजारः बिहटा से मखाना की 25 टन की पहली खेप ऑस्ट्रेलिया भेजे जाने को राज्य के मखाना उद्योग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे बिहार के मखाना उत्पादकों, प्रसंस्करण इकाइयों और निर्यात कारोबार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलने की उम्मीद है। इसे नए बाजारों के दरवाजे खोलने वाली पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

पटना मेट्रो निर्माण, बेली रोड पर नया ट्रैफिक प्लान लागू

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए बेली रोड पर नया ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। चिड़ियाघर गेट नंबर-1, विकास भवन और इनकम टैक्स गोलंबर के पास मेट्रो स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है।

इसे देखते हुए राजभवन मोड़ से चिड़ियाघर गेट नंबर-1 तक दक्षिणी लेन को बंद कर दिया गया है। इस हिस्से में करीब 200 से 300 मीटर क्षेत्र की घेराबंदी कर निर्माण कार्य शुरू किया गया है। फिलहाल, दोनों ओर के गाड़ियों की आवाजाही उत्तरी लेन से कराया जा रहा है।

इनकम टैक्स गोलंबर से सगुना मोड़ की ओर जाने वाले वाहनों को राजभवन मोड़ के पास बने कट से दूसरी लेन में भेजा जा रहा है। वहीं, सगुना मोड़ से इनकम टैक्स की ओर आने वाले वाहनों को पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास से राजवंशी नगर की ओर डायवर्ट किया गया है। ये गाड़ियां राजवंशी नगर और ललित भवन होते हुए दोबारा नेहरू पथ पर पहुंच रहे हैं। ऑटो और ई-रिक्शा जैसे व्यावसायिक गाड़ियों को पुनाईचक रोड के रास्ते जाने की अनुमति दी गई है। गुरुवार को नया ट्रैफिक प्लान लागू होने के पहले दिन दिनभर यातायात सामान्य रहा, लेकिन शाम के पीक आवर में राजवंशी नगर, ऑफिसर फ्लैट और पुनाईचक रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। कई जगह लंबा जाम लग गया और इनकम टैक्स गोलंबर से सगुना मोड़ की ओर जाने वाले वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई।

निशांत कुमार बोले- जेन जी को जदयू से जोड़ें

एजेंसी, पटना

बिहार प्रदेश युवा जनता दल (यू) की ओर से आज पटना स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय के कर्पूरी सभागार में संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श के लिए महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा और बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार सहित युवा जदयू के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत करना, युवाओं की भागीदारी बढ़ाना और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर संगठनात्मक रणनीति तैयार करना रहा। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने युवा कार्यकर्ताओं से कहा कि जदयू को नई पीढ़ी, खासकर जेन जी (Gen Z) से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि युवा कार्यकर्ता कॉलेज, विश्वविद्यालय और समाज के बीच जाकर नई पीढ़ी को यह बताएं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के विकास के लिए पिछले दो दशकों में कौन-कौन से ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तक सरकार की उपलब्धियां प्रभावी तरीके से पहुंचनी चाहिए, ताकि वे विकास की राजनीति को समझें और पार्टी से जुड़ें। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, नए युवाओं को पार्टी से जोड़ने, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप की विकास योजना-2047 पर मंथन

एजेंसी, पटना

बिहार के विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप की प्रारूप विकास योजना-2047 पर विचार-विमर्श के लिए बिहार शहरी आयोजना एवं विकास बोर्ड के सदस्यों और संबंधित विभागों के वरीय अधिकारियों की बैठक हुई। नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से आयोजित बैठक का उद्देश्य प्रस्तावित टाउनशिप की विकास योजना के विभिन्न पहलुओं पर संबंधित विभागों के सुझाव प्राप्त करना था। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने सुझाव दिए। इस दौरान विकास आयुक्त ने कहा कि शहरीकरण की वर्तमान प्रक्रिया में ग्रामीण क्षेत्र तेजी से शहरी स्वरूप ग्रहण कर रहे हैं, लेकिन कई स्थानों पर आवश्यक शहरी सुविधाओं और सुनियोजित आधारभूत संरचना का समानांतर विकास नहीं हो पा रहा है। ऐसे में ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप जैसी परियोजनाएं केवल नए आवासीय क्षेत्र विकसित करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इन्हें सुनियोजित और सुविधायुक्त शहरी विकास का मॉडल बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समय के साथ शहरी नियोजन की अवधारणा में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। आधुनिक शहरों में रोजगार, आवास, वाणिज्यिक गतिविधियां, संस्थागत सुविधाएं, मनोरंजन और सार्वजनिक सेवाएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए प्रस्तावित टाउनशिप को केवल आवासीय परियोजना के रूप में विकसित करने के बजाय निवास, रोजगार, वाणिज्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, हरित क्षेत्र और अन्य नागरिक सुविधाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना जरूरी है। विकास आयुक्त ने कहा कि टाउनशिप की ऐसी योजना तैयार की जानी चाहिए, जिससे भविष्य में लोगों को बुनियादी सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता न पड़े और एकीकृत शहरी सुविधाएं उनके आसपास ही उपलब्ध हों। बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप की प्रारूप विकास योजना-2047 पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नियोजन परिप्रेक्ष्य, क्षेत्रीय नियोजन ढांचा, वर्तमान स्थिति के विश्लेषण, टाउनशिप के विजन, विकास उद्देश्यों एवं नियोजन सिद्धांतों, स्थानिक विकास रणनीति और प्रस्तावित भूमि उपयोग योजना की जानकारी दी। बैठक में सामाजिक आधारभूत संरचना, गतिशीलता एवं ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी), आर्थिक विकास रणनीति, पर्यावरण संरक्षण, ब्लू-ग्रीन अवसंरचना, जलवायु अनुकूल विकास, डिजिटल अवसंरचना एवं स्मार्ट शहरी प्रणालियों पर भी चर्चा हुई।

जिला परिषद अध्यक्ष ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में दिखाई सख्ती, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

» अस्पतालों में दवा उपलब्धता, ओपीडी बढ़ाने, अवैध नर्सिंग होम पर कार्रवाई और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड सुविधा बहाल करने के दिए निर्देश।

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण जिला परिषद की अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट कहा कि आम लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। समीक्षा के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष ने सरकारी अस्पतालों में स्वीकृत दवाओं की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए सिविल सर्जन को हर हाल में पर्याप्त दवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कई अस्पतालों में ओपीडी में मरीजों की कम संख्या को गंभीर विषय बताते हुए चिकित्सा पदाधिकारियों को अधिक से अधिक मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने का निर्देश दिया। श्रीमती राय ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध संसाधनों और एमबीबीएस चिकित्सकों के बावजूद गंभीर मरीजों को सीधे सदर अस्पताल रेफर करना उचित नहीं है। उन्होंने अनावश्यक रेफरल पर रोक लगाने और स्थानीय स्तर पर बेहतर इलाज सुनिश्चित करने को कहा। बरसात के मौसम को देखते हुए उन्होंने सभी अस्पतालों में एंटी स्नेक वेनम, एंटी रैबीज सहित अन्य जीवनरक्षक दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में आउटसोर्सिंग के माध्यम से संचालित जनरेटर, सुरक्षा, खान-पान एवं साफ-सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए। जिला परिषद अध्यक्ष ने सिविल सर्जन को एजेंसियों की नियमित निगरानी कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही जिले में संचालित अवैध नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर नियमानुसार कार्रवाई कर उन्हें बंद कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन अस्पतालों में तकनीशियन, बायोमैट्रिक व्यवस्था और एंबुलेंस की सुविधा नहीं है, वहां तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा एंबुलेंस संचालन करने वाली एजेंसियों का नाम, वाहन का पंजीकरण नंबर, चालक का नाम और मोबाइल नंबर सार्वजनिक करने का भी निर्देश दिया, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।जिला परिषद अध्यक्ष ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सेवाएं शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए। वहीं जननी बाल सुरक्षा योजना के तहत शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित कराने और सदर अस्पताल में एक दिन में 60 सफल प्रसव कराने पर सिविल सर्जन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम की सराहना भी की। बैठक में जिला परिषद सदस्य ईश्वरचंद्र मिश्रा, आभा देवी, अनिता देवी, सहयोजित सदस्य ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय, शब्बीर आलम, अकबरी खातून सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीएम एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भूमि विवाद में युवक को मारी गोली, तीन आरोपी गिरफ्तार

» चकिया के कोयला बेलवा में रामायण चौक के पास हुई वारदात, पुलिस ने दो घंटे में बरामद किया देशी कट्टा

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के चकिया थाना क्षेत्र के कोयला बेलवा में भूमि विवाद को लेकर हुई गोलीबारी में एक युवक गोली लगने से घायल हो गया। घटना रामायण चौक के पास की बताई जा रही है। घायल युवक को गंभीर स्थिति में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पुलिस के अनुसार फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, गोली मारने के बाद आरोपी घायल युवक को लेकर सीधे चकिया थाना पहुंच गया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू करते हुए मामले में शामिल मुख्य आरोपी सत्यम उर्फ राजा समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि घटना के महज दो घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किए गए एक देशी कट्टे को भी बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की घटना भूमि एवं आपसी विवाद को लेकर हुई है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच करते हुए घटना के पीछे के कारणों और विवाद से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। हालांकि, जिले में लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं के बीच इस वारदात ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी को महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

मैराथन दौड़ के साथ युवा चम्पारण महोत्सव 2026 का हुआ भव्य आगाज़, पहले ही दिन उमड़ा युवाओं का जनसैलाब

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण के युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मकता को समर्पित युवा चम्पारण महोत्सव 2026 का शुक्रवार को उत्साह, अनुशासन और उमंग के बीच भव्य शुभारंभ हुआ। महोत्सव के पहले दिन आयोजित मैराथन दौड़, क्विज प्रतियोगिता, ड्रॉइंग प्रतियोगिता एवं शतरंज प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों से आए सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लेकर यह साबित कर दिया कि चम्पारण के युवा अब केवल सपने नहीं देखते, बल्कि उन्हें साकार करने का साहस भी रखते हैं। महोत्सव की शुरुआत प्रातः 05:00 बजे मैराथन दौड़ से हुई। प्रधान सचिव अमिता निधि ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। सुबह की ठंडी हवा और युवाओं के जोश ने पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया। बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने अनुशासन और खेल भावना के साथ दौड़ पूरी की। आयोजन समिति के स्वयंसेवकों एवं सुरक्षा टीम ने पूरे कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा। मैराथन के बाद सुबह 09:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक क्विज, ड्रॉइंग एवं शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में इतिहास, विज्ञान, सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटनाओं एवं चम्पारण की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े प्रश्न पूछे गए, जिनका प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया। ड्रॉइंग प्रतियोगिता में बच्चों एवं युवाओं ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया। वहीं शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रणनीतिक सोच, धैर्य एवं मानसिक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबले खेले, जिसने उपस्थित दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष आकर्ष कुमार तिवारी ने कहा कि युवा चम्पारण महोत्सव का उद्देश्य केवल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना नहीं, बल्कि जिले के युवाओं को ऐसा सशक्त मंच प्रदान करना है जहाँ उनकी प्रतिभा को उचित पहचान और सम्मान मिल सके। उन्होंने कहा कि चम्पारण की पहचान केवल उसके गौरवशाली इतिहास से नहीं, बल्कि यहाँ के प्रतिभाशाली युवाओं से भी है। यदि उन्हें सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जिले का नाम रोशन कर सकते हैं। प्रधान सचिव अमिता निधि ने कहा कि महोत्सव के सभी कार्यक्रमों का संचालन पूरी पारदर्शिता, अनुशासन और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ किया जा रहा है। प्रतिभागियों के पंजीकरण से लेकर प्रतियोगिताओं के संचालन, सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, मीडिया समन्वय और स्वयंसेवकों की तैनाती तक प्रत्येक व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की गई थी। इसी का परिणाम रहा कि पहले दिन के सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। कोषाध्यक्ष सह संयोजक अभिषेक सिंह सूर्या ने कहा कि युवा चम्पारण महोत्सव केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं को शिक्षा, खेल और संस्कृति से जोड़ने का एक व्यापक अभियान है। इस मंच के माध्यम से जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सकारात्मक सोच विकसित करने का अवसर मिल रहा है। उपाध्यक्ष अंकित कुमार सिंह ने कहा कि युवाओं का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि चम्पारण के युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं से महोत्सव में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन उनके व्यक्तित्व विकास और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रतियोगिताओं के विजेता

मैराथन दौड़

- प्रथम - संदीप पासवान
- द्वितीय - श्याम कुमार
- तृतीय - अभिषेक कुमार

कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभी ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। प्रतिभागियों ने भी आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और सौहार्दपूर्ण वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह महोत्सव उनके लिए केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सीखने, नए अनुभव प्राप्त करने और अपनी प्रतिभा को पहचान दिलाने का एक बेहतरीन मंच है। समिति ने बताया कि आगामी दिनों में विभिन्न खेल, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें जिले के हजारों युवाओं की भागीदारी होने की उम्मीद है। समिति ने यह भी जानकारी दी कि महोत्सव के समापन समारोह में बिहार सरकार की खेल सह उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, गोविंदगंज के विधायक राजू तिवारी, नरकटिया के विधायक विशाल कुमार तथा सुगौली के विधायक रामाश्रय सिंह उर्फ बबलू गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। इनके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियाँ एवं समाजसेवी भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इस अवसर पर युवा चम्पारण महोत्सव समिति के अध्यक्ष आकर्ष कुमार तिवारी, कोषाध्यक्ष सह संयोजक अभिषेक सिंह सूर्या, उपाध्यक्ष अंकित कुमार सिंह, प्रधान सचिव अमिता निधि, मीडिया प्रभारी विशाल कुमार, सुरक्षा प्रमुख हिमांशु दुबे, प्रवक्ता (द रॉयल फाउंडेशन) मनीष सिंह सूर्या, स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर शाकिब महमूद, कॉर्डिनेटर शिवम सिंह, अमन कुमार, रौशन कुमार, रिशु कुमार, गोल्डन श्रीवास्तव, सौरभ पांडे, सुन्नी सिंह, देव राज, विशाल भगत, खुशी भारद्वाज, प्रिंसी पांडे, पल्लवी तिवारी, अदिति गुप्ता सहित युवा चम्पारण महोत्सव समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले स्वयंसेवकों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। महोत्सव के पहले दिन की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि युवाओं को सही मंच, उचित अवसर और सकारात्मक मार्गदर्शन मिले तो वे अपनी प्रतिभा के दम पर समाज और जिले की नई पहचान गढ़ सकते हैं। युवा चम्पारण महोत्सव 2026 अब केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि चम्पारण के युवाओं के सपनों, संघर्षों और नई संभावनाओं का उत्सव बन चुका है।

जनता दरबार में पहुंचे 47 फरियादी, डीएम ने त्वरित कार्रवाई का दिया भरोसा

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित 'जनता के दरबार में जिला प्रशासन' कार्यक्रम में जिले के विभिन्न अंचलों से आए 47 आवेदकों की समस्याओं की सुनवाई जिलाधिकारी की अध्यक्षता में की गई। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों ने एक-एक आवेदन पर गंभीरता से विचार किया। वहीं जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को विधिसम्मत कार्रवाई कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण और राजस्व विभाग से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। इन मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को संबंधित अधिकारियों के पास आवेदन भेजने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।कार्यक्रम में एडीएम (लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती, एडीएम (विभागीय जांच) मो. सिबगतुल्लाह, वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बिहार स्टेट गेम्स 2026 के लिए पूर्वी चंपारण के 24 फेंसिंग खिलाड़ियों का चयन

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार स्टेट गेम्स 2026 के लिए ईस्ट चंपारण फेंसिंग एसोसिएशन की ओर से 6 अगस्त को फेंसिंग खिलाड़ियों के चयन के लिए ट्रायल आयोजित किया गया। ट्रायल में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर खेलो इंडिया कोच एवं चयनकर्ता राजन कुमार ने बिहार स्टेट गेम्स के लिए खिलाड़ियों का चयन किया। बालक वर्ग में सन्नी प्रकाश, कृष कुमार, उत्कर्ष राज, पीयूष कुमार, आयुष कुमार, अभिषेक कुमार, अरबाज आलम, आयुष राज, भास्कर पांडेय, मोनू कुमार, आद्विक राज एवं आयुष कुमार का चयन किया गया। वहीं बालिका वर्ग में पुष्पांजलि कुमारी, ममता कुमारी, काली कुमारी, सुप्रिया कुमारी, पूजा कुमारी, नविका कुमारी, छोटी कुमारी, अनुष्का माही, सबाना खातून, समृद्धि, चहक सिंह एवं रुखसाना खातून का चयन हुआ। बिहार स्टेट गेम्स 2026 का आयोजन 6 एवं 7 सितंबर 2026 को राजगीर में किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी प्रतियोगिता में पूर्वी चंपारण जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयन ट्रायल का उद्घाटन ईस्ट चंपारण फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष सिंह ने किया। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जिला खेल पदाधिकारी अंकित कुमार ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। चयन के बाद खिलाड़ियों में बिहार स्टेट गेम्स को लेकर खासा उत्साह है। खिलाड़ी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने के लिए तैयार हैं। यह जानकारी ईस्ट चंपारण फेंसिंग एसोसिएशन के सचिव शुभम सिंह ने दी।

परीक्षा प्रतिनियुक्ति पर उठे सवालः चहेते शिक्षकों को बार-बार ड्यूटी देने के आरोप, डीईओ बोले- गड़बड़ी पर जारी किए गए स्पष्ट निर्देश

बीएनएम@ सागर सूरज

कुछ नामों की लगातार तैनाती और विद्यालय विवरण में कथित विसंगतियों से पारदर्शिता पर उठे सवाल

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय एक बार फिर विभिन्न परीक्षाओं में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति (डेप्यूटेशन) को लेकर सवालों के घेरे में है। विभिन्न शिक्षकों एवं कर्मचारियों से जुड़े आरोपों के आधार पर मांग उठी है कि पिछले एक वर्ष के दौरान बोर्ड एवं विभागीय परीक्षाओं में की गई सभी प्रतिनियुक्तियों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए।

हालांकि, इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी ने कहा कि मामला संज्ञान में आने के बाद स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब किसी परीक्षा केंद्र पर संबंधित विद्यालय के शिक्षकों की कमी होने की स्थिति में ही बाहरी शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि डीईओ कार्यालय द्वारा कुछ चुनिंदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बार-बार विभिन्न परीक्षाओं में प्रतिनियुक्ति दी जाती है, जबकि अन्य योग्य शिक्षकों को अवसर नहीं मिल पाता। उनका कहना है कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और चयन का आधार सार्वजनिक नहीं किया जाता।

आरोपों के केंद्र में डीईओ सेल के कर्मी रविकांत का नाम भी सामने आया है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि वे परीक्षा प्रतिनियुक्ति को लेकर प्रधानाध्यापकों पर दबाव बनाते हैं। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक तथा क्षेत्रीय उप शिक्षा निदेशक (आरडीडीई) को लिखित शिकायत भेजे जाने का भी दावा किया गया है। हालांकि, इन शिकायतों पर अब तक विभागीय स्तर पर क्या कार्रवाई हुई है, इसकी आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है।

एक अन्य लिपिक पर भी आरोप लगाए गए हैं कि कई बार दूसरे जिलों में तबादला होने के बावजूद वे प्रतिनियुक्ति के माध्यम से पुनः मोतिहारी में पदस्थापित हो जाते हैं। शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि उनकी पत्नी को लगातार विभिन्न परीक्षाओं में प्रतिनियुक्ति मिलती रही है। साथ ही, उनके पिछले एक वर्ष के ई-शिक्षा ऐप की उपस्थिति रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की गई है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

यद्यपि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन शिकायतकर्ताओं का दावा है कि हाल में आयोजित डीएलएड द्वितीय वर्ष की परीक्षा में संबंधित शिक्षिका के विद्यालय का नाम जीपीएस लोकनाथपुर दर्ज किया गया, जबकि डीएलएड प्रथम वर्ष की परीक्षा में उनका विद्यालय जीपीएस लोकसा रघुनाथपुर अंकित किया गया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि दोनों आदेशों पर डीईओ के हस्ताक्षर हैं।

यदि अभिलेखों में यह विसंगति सही पाई जाती है, तो इसकी विस्तृत जांच आवश्यक होगी।

इसी क्रम में दूसरे अनुमंडल के शिक्षक मो. जहीरुद्दीन का नाम भी विभिन्न परीक्षाओं की प्रतिनियुक्ति सूची में बार-बार शामिल होने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उनके साथ उनकी संबंधी एवं पताही की शिक्षिका रौशन आफरीन भी अधिकांश परीक्षाओं में प्रतिनियुक्त होती रही हैं। इसके अलावा आरडीडीई कार्यालय के एक लिपिक की संबंधी नेहा कुमारी तथा मुजीब बालिका प्लस-2 विद्यालय के परिचारी राजेश कुमार द्वारा कथित रूप से प्रतिभा कुमारी, आरती कुमारी और एकता कुमारी के नाम प्रतिनियुक्ति सूची में शामिल कराने के भी आरोप लगाए गए हैं।

शिक्षा विभाग से जुड़े जानकारों का मानना है कि यदि पिछले एक वर्ष की सभी परीक्षा प्रतिनियुक्तियों, ई-शिक्षा ऐप की उपस्थिति, प्रतिनियुक्ति आदेशों तथा चयन प्रक्रिया का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए तो पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

एमएसएमई को मिलेगी नई उड़ान, सेंट्रल बैंक ने लगाया क्रेडिट आउटरीच शिविर

बीएनएम@ मोतिहारी

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से शुक्रवार को आरसेटी (ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान) परिसर में राष्ट्रव्यापी एमएसएमई क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों को सुलभ, प्रतिस्पर्धी एवं अनुकूलित वित्तीय समाधान उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा स्थानीय स्तर पर उद्यमिता एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान पात्र एमएसएमई इकाइयों के लिए मौके पर ऋण स्वीकृति की सुविधा प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न क्लस्टर आधारित योजनाओं, जैसे सेंट इंजीनियरिंग, सेंट इलेक्ट्रिकल्स, सेंट होटल सहित अन्य विशेष वित्तीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बैंक अधिकारियों ने सीजीटीएमएसई (CGTMSE) योजना के तहत आकर्षक ब्याज दरों पर जमानत-मुक्त ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी समझाई। शिविर में उद्यमियों को जीएसटी पंजीकरण, उद्यम पंजीकरण, स्टार्टअप पंजीकरण एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताओं से संबंधित परामर्श सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने उपस्थित उद्यमियों से सीधे संवाद कर उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय समाधान एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा ऋण संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रधान विवेक कुमार पाण्डेय ने कहा कि एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसके सशक्त होने से रोजगार, उत्पादन और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलती है। उन्होंने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पूरे देश में एमएसएमई क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से अधिक से अधिक उद्यमियों तक बैंक की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का अभियान चला रहा है। बैंक की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र उद्यमी को सरल, पारदर्शी एवं त्वरित ऋण सुविधा उपलब्ध हो, ताकि वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। रीजनल हेड श्री पाण्डेय ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल ऋण वितरण नहीं, बल्कि उद्यमियों को जागरूक बनाकर उन्हें सरकारी एवं बैंकिंग योजनाओं से जोड़ना भी है, जिससे वे उपलब्ध वित्तीय अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्यमियों, व्यवसायियों एवं बैंक ग्राहकों ने भाग लिया तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर बैंक की पहल की सराहना की।

युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर में मॉक ड्रिल, आपदा से निपटने के गुर सीखे

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय आवासीय 'युवा आपदा मित्र' प्रशिक्षण शिविर के पांचवें दिन शुक्रवार को आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें स्वयंसेवकों को अग्निकांड, भूकंप समेत विभिन्न आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के प्रातःकालीन सत्र में एनडीआरएफ की टीम ने आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, खोज एवं बचाव, प्राथमिक उपचार तथा सामुदायिक सहभागिता की जानकारी दी। वहीं दोपहर के सत्र में एसडीआरएफ (बिहार) की टीम ने मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा की वास्तविक परिस्थितियों का अभ्यास कराया। स्वयंसेवकों ने टीम बनाकर राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम. एन. हक़ ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण से युवाओं में आपदा के प्रति जागरूकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी एवं शिविर समन्वयक डॉ. गौरव भारती ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को आपदा के समय सक्षम एवं प्रशिक्षित स्वयंसेवक के रूप में तैयार करना है। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर नौ अगस्त तक विभिन्न सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक सत्रों के साथ जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री के आज आएंगे पुनौरा धाम

डीएम-एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

बीएनएम@ सीतामढ़ी। शनिवार को मुख्यमंत्री के सीतामढ़ी स्थित पुनौरा धाम आगमन के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी रिची पांडे, पुलिस अधीक्षक अमित रंजन तथा उप विकास आयुक्त श्वेता भारती ने पुनौरा धाम मंदिर परिसर पहुंचकर तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का बिंदुवार जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, श्रद्धालुओं एवं अतिथियों के आवागमन, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को समयबद्ध और त्रुटिरहित ढंग से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सुरक्षित, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। पुलिस अधीक्षक अमित रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विधि-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित पुलिस अधिकारियों को दिए। उल्लेखनीय है कि 08 अगस्त को पुनौरा धाम स्थित नूतन सीताराम मंडपम में नूतन मंदिर प्रवेश, विग्रह स्थानांतरण एवं प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार किया जाना प्रस्तावित है।

युवाओं के बीच पहुंचे निशांत कुमार, स्वास्थ्य व्यवस्था की उपलब्धियां गिनाईं

अस्पतालों की लापरवाही पर साधी चुप्पी

बीएनएम@ पटना। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने शुक्रवार को पटना में युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व और भागीदारी से ही राज्य और देश का भविष्य मजबूत होगा। उन्होंने युवाओं के सामने सरकार और अपनी पार्टी की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया तथा बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधार का दावा किया। बैठक को संबोधित करते हुए निशांत कुमार ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल थी, लेकिन उसके बाद स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों के बुनियादी ढांचे, चिकित्सा सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मंत्री ने कहा कि युवाओं को सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों से जोड़ना इस बैठक का मुख्य उद्देश्य था। उन्होंने युवाओं से समाज और राज्य के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील भी की। हालांकि, बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान स्वास्थ्य मंत्री असहज सवालों से बचते नजर आए। पत्रकारों ने हाल के दिनों में दो सरकारी अस्पतालों में सामने आई कथित लापरवाही और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल पूछे, लेकिन निशांत कुमार ने इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सवालों का जवाब दिए बिना वह वहां से चले गए।

15 हजार रिश्वत मांगने के आरोप में ऑपरेटर समेत तीन पकड़े गए

मुआवजे के 50 हजार रुपये के भुगतान के बदले मांग रहे थे पैसे

बीएनएम@ समस्तीपुरः शाहपुर पटोरी प्रखंड मुख्यालय स्थित श्रम परिवर्तन पदाधिकारी कार्यालय में मुआवजा राशि के भुगतान के बदले रिश्वत मांगने की शिकायत पर अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार पांडेय ने छापेमारी कर ऑपरेटर समेत तीन लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों में ऑपरेटर मुकेश कुमार के अलावा सकलदीप कुमार और संजय कुमार शामिल हैं। तीनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। एसडीएम विकास कुमार पांडेय ने बताया कि इमनसराय पंचायत के वार्ड संख्या-11, लागुनिया निवासी राजीव कुमार, पिता सुरेश राय की करीब एक वर्ष पूर्व मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी पत्नी चमेली देवी ने श्रम विभाग से मिलने वाली मुआवजा राशि के लिए आवेदन किया था। आवेदन के बाद 50 हजार रुपये की राशि का भुगतान भी हो गया। आरोप है कि राशि के भुगतान के बाद कार्यालय में कार्यरत ऑपरेटर मुकेश कुमार ने परिजनों से 15 हजार रुपये की मांग की। मृतक के दिव्यांग भाई संजीव कुमार ने कथित रूप से पांच हजार रुपये दे भी दिए। इसके बावजूद शेष राशि के लिए लगातार फोन कर दबाव बनाए जाने और कथित दलालों के माध्यम से पैसे की मांग किए जाने का आरोप है। इससे परेशान होकर संजीव कुमार ने मामले की शिकायत एसडीएम से की। शिकायत मिलने के बाद एसडीएम ने मामले की जांच कराई। शिकायत में प्रथम दृष्टया सत्यता पाए जाने के बाद श्रम परिवर्तन पदाधिकारी कार्यालय में छापेमारी की गई। इस दौरान ऑपरेटर मुकेश कुमार के अलावा कथित दलाल सकलदीप कुमार और संजय कुमार को पकड़ लिया गया। पकड़े गए तीनों लोगों के मोबाइल फोन पुलिस ने कब्जे में ले लिए हैं। एसडीएमने बताया कि मामले की जांच के बाद दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नवगछिया नगर परिषद में सफाईकर्मियों ने किया प्रदर्शन

बीएनएम@ पटना/भागलपुर। नवगछिया नगर परिषद में कार्यरत सफाईकर्मियों और वाहन चालकों ने शुक्रवार को आउटसोर्सिंग एजेंसी की कथित मनमानी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने एजेंसी पर ईपीएफ राशि जमा नहीं करने, समय पर वेतन का भुगतान नहीं करने और पूर्व में हुए समझौते का पालन नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर वे कामकाज ठप कर नगर परिषद मुख्यालय का अनिश्चितकालीन घेराव करेंगे। प्रदर्शनकारी कर्मचारी अजगर ने बताया कि कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर 28 जनवरी 2026 को लिखित आवेदन दिया था। इसके बाद 2 फरवरी और 13 मई 2026 को प्रशासन की मौजूदगी में आउटसोर्सिंग एजेंसी के साथ समझौता भी हुआ, लेकिन आज तक उसकी शर्तों का पालन नहीं किया गया। उनका आरोप है कि ईपीएफ की बकाया राशि अब तक कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं कराई गई और अधिकारियों से सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा। कर्मचारी वरुण मेहतर ने आरोप लगाया कि वर्ष 2011 से 2019 के बीच ईपीएफ जमा करने में गंभीर अनियमितताएं हुईं। वहीं जनवरी 2022 से जून 2026 तक करीब 46 महीनों का ईपीएफ भी कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं कराया गया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारी प्रदीप कुमार ने कहा कि कई सफाईकर्मियों को पिछले महीने से पूरा और समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने नगर परिषद प्रशासन को मांग-पत्र सौंपते हुए लंबित ईपीएफ राशि तत्काल जमा कराने, बकाया मजदूरी का भुगतान करने तथा आउटसोर्सिंग एजेंसी की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकला तो वे सामूहिक रूप से काम बंद कर नगर परिषद मुख्यालय का अनिश्चितकालीन घेराव करेंगे। आंदोलन में अजगर, वरुण मेहतर, प्रदीप कुमार, मो. शरीफ, अमर कुमार, प्रमोद कुमार, धर्मेंद्र, राजा हरिजन, सोनू हरि, बाबूल आलम, संदीप कुमार, रवि मेहतर समेत दर्जनों सफाईकर्मी शामिल रहे। फिलहाल नगर परिषद प्रशासन या संबंधित आउटसोर्सिंग एजेंसी की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ऐतिहासिक तस्वीरों का संरक्षण राष्ट्र की जिम्मेदारी : हरिप्रसाद रेग्मी

नेपाल में फोटो संग्रहालय एवं पर्यटन संवर्धन केंद्र बनाने की पहल, फोटो पत्रकारों व पर्यटन विशेषज्ञों ने रखे सुझाव

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज

नेपाल की फोटो पत्रकारिता की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा नई पीढ़ी को देश के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक दस्तावेजों से जोड़ने के उद्देश्य से 'नेपाल फोटो संग्रहालय एवं पर्यटन संवर्धन केंद्र' के निर्माण को लेकर परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें फोटो पत्रकारों, मीडिया कर्मियों, पर्यटन विशेषज्ञों, सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। परिचर्चा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नेपाल में फोटो पत्रकारिता के इतिहास को व्यवस्थित एवं दीर्घकालिक रूप से संरक्षित करने के लिए फोटो संग्रहालय की स्थापना बेहद जरूरी है। ऐसा केंद्र न केवल ऐतिहासिक तस्वीरों के संरक्षण का माध्यम बनेगा, बल्कि पर्यटन विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम में नेपाल के विभिन्न कालखंडों की ऐतिहासिक तस्वीरों, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों, सामाजिक बदलाव, सांस्कृतिक विविधता तथा राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं से जुड़ी तस्वीरों को एक ही स्थान पर संरक्षित करने की अवधारणा प्रमुख रूप से सामने आई। इससे शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, पर्यटकों और आम लोगों को नेपाल के इतिहास एवं विरासत को करीब से समझने का अवसर मिल सकेगा। इस अवसर पर नेपाल फोटो पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष हरिप्रसाद रेग्मी ने कहा कि फोटो संग्रहालय सिर्फ तस्वीरों को सुरक्षित रखने की जगह नहीं होगा, बल्कि यह नेपाल के इतिहास, संस्कृति, संघर्ष, उपलब्धियों और सामाजिक बदलाव के महत्वपूर्ण क्षणों का जीवंत अभिलेख बनेगा। उन्होंने कहा कि फोटो पत्रकारों ने अपने पूरे जीवन के दौरान जो ऐतिहासिक तस्वीरें कैमरे में कैद की हैं, वे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। इन तस्वीरों का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। फोटो संग्रहालय के निर्माण से नई पीढ़ी का अपने इतिहास और विरासत से जुड़ाव मजबूत होगा, शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा और आंतरिक एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को भी नई दिशा मिल सकती है। रेग्मी ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार करने के लिए सरकार, निजी क्षेत्र, पर्यटन व्यवसायियों और मीडिया जगत के बीच समन्वित सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागियों ने फोटो संग्रहालय एवं पर्यटन संवर्धन केंद्र को राष्ट्रीय गौरव की परियोजना के रूप में आगे बढ़ाने के लिए संबंधित निकायों से आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। प्रतिभागियों का कहना था कि केंद्र के निर्माण से नेपाल की दुर्लभ एवं ऐतिहासिक तस्वीरों का दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित होगा तथा देश की कला, संस्कृति, विरासत और पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। आयोजकों ने बताया कि परिचर्चा में प्राप्त सुझावों एवं विचारों को संबंधित निकायों तक पहुंचाया जाएगा। परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए आवश्यक समन्वय एवं पहल को आगे बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

दो पॉक्सो मामलों में नाबालिग लड़कियां बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

हरसिद्धि पुलिस की कार्रवाई, दूसरे नामजद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि पुलिस ने पॉक्सो एक्ट से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया। वहीं, एक मामले के नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 395/26 में धारा 137(2)/96 एवं पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में नाबालिग लड़की को बरामद कर लिया। मामले में प्राथमिक अभियुक्त सत्यदेव महतो, पिता जूठन महतो, निवासी मठ लोहियार, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण बताया गया है। वहीं, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 396/26 में भी धारा 137(2)/96 एवं पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज था। इस मामले में पुलिस ने नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले के नामजद आरोपी रामपुकार कुमार, पिता उमेश महतो, निवासी मठ लोहियार, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक पूछताछ एवं कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में नाबालिगों को बरामद कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

सीबीएसई मान्यता की दिशा में महावीर सरस्वती शिशु-विद्या मंदिर ने बढ़ाया कदम

» एनओसी के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया तेज करने का निर्णय, विद्यालय के भौतिक एवं शैक्षणिक विकास पर हुआ मंथन

बीएनएम@ हरसिद्धि

स्थानीय महावीर सरस्वती शिशु-विद्या मंदिर, हरसिद्धि के प्रधानाचार्य कक्ष में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय के भौतिक एवं शैक्षणिक विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विद्यालय को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से मान्यता दिलाने की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया को गति देने का निर्णय लिया गया। सीबीएसई मान्यता के लिए निर्धारित मानदंडों को पूरा करने के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेज विभिन्न सरकारी कार्यालयों से प्राप्त करने तथा बिहार सरकार से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया तत्परता से पूरी करने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। समिति के सदस्यों ने कहा कि निर्धारित प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कर विद्यालय को निकट भविष्य में सीबीएसई से मान्यता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और आधारभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर विभाग निरीक्षक ललित कुमार राय, संरक्षक राकेश गुप्ता, अध्यक्ष रंजिता गुप्ता, उपाध्यक्ष अजय कुमार सुल्तानिया, सचिव उत्तम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार ब्याहुत, प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद, सदस्य ललन प्रसाद गुप्ता, लाल बाबू ठाकुर, विनोद केशरी, अमृतेश कुमार तथा आचार्य प्रतिनिधि सत्येन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर रक्सौल में होगा सामूहिक संगीतमय गायन समारोह

बीएनएम@ रक्सौल

राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने एवं अगस्त क्रांति दिवस के पावन अवसर पर भारत विकास परिषद, शाखा-रक्सौल के तत्वावधान में 9 अगस्त, रविवार को भव्य संगीतमय सामूहिक 'वन्दे मातरम्' गायन समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन पूर्वाह्न 11 बजे पोस्ट ऑफिस रोड स्थित नटराज सेवा संगम कार्यालय, श्रीराम जानकी मंदिर परिसर, रक्सौल में होगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' की गौरवशाली विरासत से नई पीढ़ी को परिचित कराने के साथ राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। सामूहिक स्वर में राष्ट्रगीत का गायन कर भारत माता के प्रति श्रद्धा, सम्मान और समर्पण का संदेश दिया जाएगा। समारोह में श्रीराम जानकी म्यूजिकल ग्रुप की संचालिका एवं सुप्रसिद्ध भजन गायिका व्यास जूही राज के सहयोग से संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं संगीत गुरु संजय कुमार दास, संगीत शिक्षक, जिला स्कूल मोतिहारी के संयोजन एवं संगीत निर्देशन में सामूहिक गायन को विशेष स्वरूप प्रदान किया जाएगा। भारत विकास परिषद, शाखा-रक्सौल के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, सचिव नरेश कुमार एवं कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि समारोह के दौरान राष्ट्रगीत के अमर रचयिता बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वन्दे मातरम्' देशभक्ति का प्रबल प्रेरणास्रोत बना और आज भी यह राष्ट्रगीत भारतीयों में मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान एवं समर्पण की भावना को जागृत करता है। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद, शाखा-रक्सौल के सदस्य, नटराज सेवा संगम के पदाधिकारी एवं सदस्य, सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राएं तथा नगर के अनेक गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। परिषद का प्रयास है कि 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने का यह ऐतिहासिक अवसर व्यापक जनभागीदारी के साथ यादगार बने। शाखा के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने कहा कि यह आयोजन महज सांगीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय गौरव के प्रति सामूहिक आस्था और समर्पण की सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की। कार्यक्रम की जानकारी परिषद के संपर्क संयोजक उमेश सिकारिया एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने संयुक्त रूप से दी।

लंबित कांडों का शीघ्र करें निष्पादन व बालू खनन के विरुद्ध करें कार्रवाई : एसपी

बगहा में मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित, एसपी ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

बीएनएम@ बगहा

पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के नेतृत्व में गुरुवार की शाम पुलिस केंद्र, बगहा में जुलाई 2026 की मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी पुलिस पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, थाना अध्यक्ष तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी शामिल हुए। बैठक में लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन, नियमित गश्ती, वाहन जांच अभियान, पासपोर्ट एवं चरित्र सत्यापन के समयबद्ध निष्पादन, अवैध बालू खनन के विरुद्ध कार्रवाई तथा डायल-112 और सीसीटीएनएस की समीक्षा की गई। इसके साथ ही आगामी जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी थाना अध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शराबबंदी कानून के प्रभावी पालन के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान जुलाई माह में सभी थानों के कार्यों का मूल्यांकन भी किया गया। लंबित मामलों के निष्पादन, वारंट तामिला, अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई तथा गश्ती व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

पीएमसीएच में लिफ्ट में पहले प्रवेश को लेकर चले लात-घूंसे

» मरीजों के परिजनों में मारपीट, CCTV के आधार पर जांच शुरू

बीएनएम@ पटना

पीएमसीएच (PMCH) की नई बिल्डिंग शुक्रवार को उस समय रणक्षेत्र में तब्दील हो गई, जब लिफ्ट में पहले प्रवेश करने को लेकर मरीजों के परिजनों के बीच शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। करीब 20 मिनट तक चले हंगामे के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले और बेल्ट से भी मारपीट की गई। घटना से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और इलाज के लिए आए मरीजों व उनके परिजनों में दहशत का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लिफ्ट के पास पहले जाने को लेकर दो लोगों के बीच कहासुनी शुरू हुई थी। देखते ही देखते दोनों पक्षों के कई लोग मौके पर जुट गए और विवाद ने उग्र रूप ले लिया। मारपीट के दौरान लिफ्ट का इंतजार कर रहे अन्य लोगों को अपनी जान बचाकर वहां से हटना पड़ा। अस्पताल में कुछ देर के लिए व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में तैनात TOP प्रभारी और सुरक्षा गार्ड मौके पर पहुंचे। सुरक्षाकर्मियों ने दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति पर काबू पाया, जिसके बाद माहौल शांत हुआ। समय रहते हस्तक्षेप नहीं होता तो विवाद और गंभीर रूप ले सकता था। इस मामले में परसा बाजार निवासी अमित ने पीरबहोर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि लिफ्ट में प्रवेश को लेकर हुए विवाद के दौरान दो अज्ञात लोगों ने उनके साथ मारपीट की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें लिफ्ट के पास लोगों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट साफ दिखाई दे रही है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

बेगूसराय में सदर अंचल के क्लर्क को 4000 घूस लेते निगरानी ने दबोचा

बीएनएम@ बेगूसराय

जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग ने एक बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। शुक्रवार को निगरानी टीम ने सदर अंचल कार्यालय में छापेमारी कर प्रभारी नाजिर सह क्लर्क सोनू कुमार को 4000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। इस अचानक हुई कार्रवाई से अंचल कार्यालय के भ्रष्ट कर्मियों और अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। विजिलेंस के डीएसपी श्याम बाबू प्रसाद ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि चांदपुरा निवासी दौलती देवी की पुत्री रानी कुमारी की मृत्यु 3 अक्टूबर 2025 को पानी में डूबने से हो गई थी। इसी घटना के बाद आपदा राहत अनुदान अनुग्रह राशि के तहत मिलने वाले 4 लाख रुपये के भुगतान के एवज में क्लर्क सोनू कुमार ने रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित महिला दौलती देवी ने बताया कि आरोपी क्लर्क ने पहले मामले में 80 हजार रुपये की अवैध मांग की थी, जिसे बाद में घटाकर 5 हजार रुपये और फिर अंत में 4 हजार रुपये पर तय किया गया। इस शोषण से परेशान होकर पीड़िता ने इसकी गुप्त शिकायत निगरानी विभाग में दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने मामले की गोपनीय जांच कराई, जिसमें आरोप पूरी तरह से सत्य पाए गए। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से शुक्रवार को करीब 12 बजे अंचल कार्यालय में जाल बिछाया गया और क्लर्क सोनू कुमार को जैसे ही 4 हजार रुपये की रिश्वत दी गई, टीम ने उसे दबोच लिया। निगरानी टीम गिरफ्तार क्लर्क को अपने साथ पूछताछ के लिए पटना या संबंधित मुख्यालय लेकर रवाना हो गई है। इस बड़ी कार्रवाई से जिले के अन्य सरकारी कार्यालयों में भी हड़कंप मच गया है, जिससे कर्मियों में अवैध वसूली को लेकर खौफ देखा जा रहा है।

नौकरशाहों का शिकंजा

इसरो के पूर्व चेयरमैन जी. माधवन नायर ने अब वो राज़ बताया है, जिस पर कयास लग रहे थे। उन्होंने कहा कि इसरो में वैज्ञानिकों के ऊपर नौकरशाहों का शिकंजा कसने की प्रवृत्ति बढ़ी है।

इसी महीने यह चौंकाने वाली ख़बर आई कि तकरीबन 120 वैज्ञानिकों और तकनीक-कर्मियों ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से इस्तीफा दे दिया, अथवा समय से पहले अवकाश ग्रहण कर लिया है। इनमें गगनयान, चंद्रयान-3 और स्पाडेक्स जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों से जुड़े वैज्ञानिक शामिल बताए गए। तब से इसरो से वैज्ञानिकों के "मोहभंग" को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाते रहे हैं। बहरहाल, केंद्र का रुख उलटबासी की तरह रहा। वैज्ञानिकों के असंतोष के कारणों का पता लगाने का इरादा दिखाने के बजाय सरकार ने सख्ती का पैगाम दिया। अंतरिक्ष विभाग ने वैज्ञानिकों के इस्तीफे और स्वैच्छिक अवकाश-ग्रहण पर रोक लगा दी।

बहरहाल, इसरो के पूर्व चेयरमैन जी. माधवन नायर ने अब एक मीडिया इंटरव्यू में वो राज़ बताया है, जिस पर कयास लग रहे थे। उन्होंने कहा कि इसरो में 'ब्यूरोक्रेटाइजेशनÓ यानी वैज्ञानिकों के ऊपर नौकरशाहों का शिकंजा कसने की प्रवृत्ति बढ़ी है। यह वैज्ञानिकों के पलायन का प्रमुख कारण बना है। नायर ने दो टूक कहा कि वैज्ञानिक केवल पैसों के लिए इसरो छोड़ कर नहीं जा रहे, बल्कि संस्थान में बढ़ती नौकरशाही और प्रशासनिक जटिलताएं इसकी बड़ी वजह हैं। नायर ने ये सुझाव भी दिया है कि अंतरिक्ष आयोग के पूर्ण अधिकारों को बहाल किया जाए और शीर्ष प्रतिभाओं के लिए प्रदर्शन-आधारित इंसेंटिव फिर से शुरू की जाए। इन बातों का अर्थ है कि मौजूदा सरकार ने इन दोनों मामलों में पहले से जारी चलन को पलट दिया है। नायर ने कहा कि नई संस्थाओं (जैसे इन-स्पेस और एनएसआईएल) के आने से फैसले लेने की प्रक्रिया जटिल हुई है, जिसे फिर से सरल और प्रभावी बनाने की जरूरत है। नायर ने चेतावनी दी है कि बाहरी एजेंसियों की ओर से इसरो के अत्यधिक प्रशिक्षित कर्मियों और समृद्ध संसाधनों को अपनी ओर खींचने का जबरदस्त दबाव है, जिससे अंतरिक्ष कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। जिस समय निजी क्षेत्र ने भी भारत के अंतरिक्ष अभियान क्षेत्र में कदम रखा है, ऐसी टिप्पणियों का खास महत्त्व हो जाता है। ये टिप्पणियां सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाती हैं। क्या केंद्र इस बारे में देश को भरोसे में लेगा?

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है। आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं ।

दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है। यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं। इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं। हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है। अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60% अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15% अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70% अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं। आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।12 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है। सभी अनाथ बच्चों में से 1% से भी कम बच्चों को गोद लिया जाता है। बाकी लाखों अनाथ, परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी कई प्रमुख योजनाएं चला रही है। इसके तहत बच्चों को हर महीने आर्थिक मदद, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और 18 से 23 वर्ष की आयु होने पर बड़ा वित्तीय फंड दिया जाता है।प्रमुख योजनाएं और सहायतापीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना कोविड-19 या अन्य कारणों से माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए है। इसमें 18 साल की उम्र पर 10 लाख का फंड और 23 साल होने पर आर्थिक सहायता मिलती है।आयुष्मान भारत : इन बच्चों को 5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया जाता है।मिशन वात्सल्यः बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए है। इसके जरिए पात्र बच्चों को 4,000 प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है।शैक्षणिक सहायताः स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई, उच्च शिक्षा के लिए लोन और विशेष छात्रवृत्ति का प्रावधान है। क्या आपके आसपास कोई वंचित अनाथ बच्चा है तो आप उसकी व्यक्तिक तौर पर अथवा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें यह उसके भविष्य के लिए जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त

हरिशंकर व्यास

एक एक करके इस देश की हर संस्था की साख खत्म होती जा रही है और संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त है, और इसका नया आयाम कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी की ओर से जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन शुरू हुआ घटनाक्रम भी है। ध्यान रहे देश दो चीजों पर भरोसे से चलता है। पहली चीज है इलेक्शन और दूसरी चीज है एग्जामिनेशन। इन दोनों पर भरोसे का संकट है। एक के बाद एक चुनाव जीतने की जिद में भाजपा ने ऐसे काम किए, जिनसे लोगों का भरोसा घटा। यह सिर्फ विपक्षी पार्टियों का मामला नहीं है। आम लोगों के मन में भी यह धारणा बैठ गई है कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। यह धारणा बनवाने में भाजपा का इकोसिस्टम भी समान रूप से जिम्मेदार है। 'मोदी है तो मुमकिन हैÓ का नारा भी इस धारणा को मजबूत करता है। भाजपा इकोसिस्टम के लोग अमित शाह की लार्जर दैन लाइफ छवि बनाने के लिए ऐसा प्रचार करते हैं कि वे जहां हाथ डाल देंगे वहां कामयाबी मिलेगी। रील्स और वीडियो बना कर प्रचारित कराया जाता है कि वे जहां चाहेंगे वहां चुनाव जिता देंगे। पश्चिम बंगाल की जीत के बाद यह प्रचार तेज हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीट पर आ गई थी। लेकिन उसके बाद महाराष्ट्र से लेकर हरियाणा और दिल्ली व बिहार में जैसे वह जीती है उससे भी लोगों के मन मे यह धारणा बैठी कि कुछ भी हो जाए भाजपा जीतेगी। इससे चुनाव आयोग के साथ साथ चुनाव की विश्वसनीयता प्रभावित हुई।

भाजपा के लोग मजाक में ही सही लेकिन इस धारणा का प्रचार करते हैं कि वोट किसी को दीजिए, वह जाएगा भाजपा के खाते में और चुनाव कोई जीते सरकार भाजपा बनाएगी। इन बातों से समूची चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है। जंतर मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जिस तरह से मीडिया के एक समूह ने प्रदर्शनकारियों को विलेन बना कर सरकार का एजेंडा चलाया उसने मीडिया की विश्वसनीयता को और कम किया। इससे पहले दूसरे प्रदर्शनों में भी ऐसा ही होता था परंतु किसान हों या शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी वे 'जेन जीÓ की तरह मुखर या सामने से प्रतिवाद करने वाले नहीं थे। लेकिन युवाओं ने प्रतिवाद किया और यह देखने को मिला कि उन्होंने मुख्यधारा की मीडिया को लगभग समूचे आंदोलन से बाहर रखा। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए नैरेटिव बनाया या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही आंदोलन की जगह बना दिया। कई मीडियाकर्मियों के साथ जंतर मंतर पर जो हुआ वह भरोसे की कमी का ही संकेत है। प्रदर्शन समाप्त करने के लिए दो केंद्रीय मंत्रियों ने सीजेपी के प्रदर्शनकारियों से वार्ता की और उनकी सारी मांगें मान लीं लेकिन उसके बाद भी छात्रों और युवाओं पर कार्रवाई नहीं रूकी और अब सुप्रीम कोर्ट के एक अंतरिम आदेश के बहाने छात्रों की श्रेणियां बना कर उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। प्रदर्शनकारियों में आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोग अलग छांटे जा रहे हैं। नाबालिग और बालिग छात्रों की अलग श्रेणी बन रही है। ऐसे में छात्र या युवा किस पर भरोसा करेंगे? उनका भरोसा न तो राजनीतिक नेतृत्व पर है और न अदालत पर। पुलिस या किसी और सुरक्षा एजेंसी पर उनका भरोसा नहीं होगा क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व के कहने पर उनके साथ जैसा बरताव हुआ वह बहुत खराब था। बाद में उलटे पुलिस वालों के परिजनों से प्रेस कॉन्फ्रेंस करा कर उनको विक्टिम और छात्रों को उपद्रवी साबित करने का प्रयास हुआ। सो, चाहे सरकार हो, सत्तारूढ़ दल हो, मीडिया हो, पुलिस या सुरक्षा बल हों या अदालत हो, छात्रों और युवाओं की नजर में किसी की साख नहीं बची। फिल्मों की साख पहले से नहीं थी लेकिन इन दिनों प्रोपेगेंडा फिल्मों का ऐसा दौर आया है कि उनके जरिए भी भारत की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के कामकाज का मजाक बनाया जा रहा है। उनकी भी साख दांव पर लगाई जा रही है। तब बचने या बचाने के लिए बचेगा क्या?

यूजीसी नियमों का विवाद, करणी सेना का आंदोलन और राजस्थान की चुनावी राजनीति

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां शिक्षा से जुड़ा एक प्रशासनिक और कानूनी मुद्दा अब सामाजिक और राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से अधिसूचित नए नियमों के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना और अन्य सवर्ण संगठनों का आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। जयपुर में निकाले गए विरोध मार्च के दौरान पुलिस लाठीचार्ज, एक प्रदर्शनकारी की मौत के आरोप और उसके बाद उपजे आक्रोश ने इस विवाद को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब राजस्थान में पंचायतीराज और शहरी निकाय चुनाव निकट हैं। इसलिए इस आंदोलन को केवल एक शैक्षणिक नीति के विरोध तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसके राजनीतिक प्रभावों पर भी व्यापक चर्चा हो रही है। यूजीसी ने नए नियमों का उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकना तथा उन्हें सुरक्षित और समान वातावरण उपलब्ध कराना बताया था। आयोग का तर्क था कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए पहले से मौजूद व्यवस्था को अधिक प्रभावी और कठोर बनाया जाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ नए नियम अधिसूचित किए गए। हालांकि इन नियमों को अधिसूचित किए जाने के तुरंत बाद कई पक्षों ने इन्हें चुनौती दी और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियमों के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। वर्तमान में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2012 के पुराने नियम ही लागू हैं। इसके बावजूद करणी सेना और अन्य सवर्ण संगठनों का कहना है कि केवल न्यायालय की अंतरिम रोक पर्याप्त नहीं है। उनका तर्क है कि यदि भविष्य में न्यायालय यह रोक हटा देता है तो ये नियम स्वतः प्रभावी हो जाएंगे। इसलिए उनकी मांग है कि सरकार स्वयं इन नियमों को पूरी तरह वापस ले। विरोध करने वाले संगठनों की मुख्य आपत्ति यह है कि नए नियमों में शिकायत दर्ज होते ही सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना अधिक है और झूठी अथवा दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से बचाव के पर्याप्त प्रावधान नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी छात्र पर बिना निष्पक्ष जांच के कार्रवाई होती है और उसके प्रवेश, पढ़ाई या भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो उसकी भरपाई कौन करेगा। साथ ही उनका यह भी आरोप है कि झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी आधार पर करणी सेना ने इन नियमों की तुलना अंग्रेजों के दौर के रोलेट एक्ट से करते हुए कहा कि इसमें आरोपित व्यक्ति को पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। दूसरी ओर, इन नियमों के समर्थकों का मानना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना राज्य और संस्थानों की जिम्मेदारी है। उनका कहना है कि यदि भेदभाव की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम नहीं होंगे तो समान अवसर और सामाजिक न्याय का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। इस प्रकार यह विवाद केवल कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण और अधिकारों की अलग-अलग व्याख्याओं का भी विषय बन गया है। जयपुर में करणी सेना द्वारा निकाले गए विरोध मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव ने इस पूरे आंदोलन को नया मोड़ दे दिया। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया और उसके बाद एक कार्यकर्ता देवराज सिंह पलाड़ा की अस्पताल में मृत्यु की खबर सामने आई। आंदोलनकारी संगठनों ने इसे प्रशासनिक कार्रवाई से जोड़ते हुए सरकार के खिलाफ तीखा विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद जयपुर बंद, मुख्यमंत्री आवास के घेराव और राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। इस घटना ने आंदोलन को केवल यूजीसी नियमों तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सरकार के प्रति असंतोष के रूप में भी प्रस्तुत किया जाने लगा।

राजस्थान की राजनीति में सवर्ण समाज, विशेष रूप से राजपूत समुदाय, लंबे समय से प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा है। भारतीय जनता पार्टी को परंपरागत रूप से इस वर्ग का महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त होता रहा है। ऐसे में यदि इस वर्ग में असंतोष बढ़ता है तो उसका असर पंचायत और निकाय चुनावों पर पड़ सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय चुनावों में सामाजिक समीकरण अधिक प्रभावी होते हैं और ऐसे मुद्दे मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं। राजनीतिक जानकार इस घटनाक्रम की तुलना पूर्व में आनंदपाल एनकाउंटर के बाद उत्पन्न राजनीतिक परिस्थितियों से भी कर रहे हैं, जब राजपूत समाज के एक हिस्से में सरकार के प्रति नाराजगी देखने को मिली थी। उस समय भी यह माना गया था कि यदि समय रहते संवाद और विश्वास बहाली के प्रयास नहीं किए गए तो राजनीतिक नुकसान हो सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में भी कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ संवाद स्थापित करने की होगी।

इस आंदोलन की टाइमिंग भी चर्चा का विषय बनी हुई है। दिल्ली में हाल के छात्र आंदोलनों के बाद अब यूजीसी नियमों को लेकर राजस्थान में आंदोलन तेज होना कई राजनीतिक संकेत देता है। करणी सेना ने इस मुद्दे को केवल एक संगठनात्मक अभियान नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के अधिकारों और भविष्य से जोड़कर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यदि यह अभियान अन्य राज्यों में भी गति पकड़ता है तो यह राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक विमर्श का विषय बन सकता है। करणी सेना की मांग है कि यूजीसी के नए नियम पूरी तरह वापस लिए जाएं, जातीय उत्पीड़न की शिकायतों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए, झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ भी समान रूप से कठोर कार्रवाई का प्रावधान हो तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के अधिकारों और संरक्षण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएं। दूसरी ओर सरकार और न्यायपालिका के सामने चुनौती यह है कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और निष्पक्ष प्रक्रिया—इन तीनों के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए। फिलहाल सर्वोच्च न्यायालय की अंतरिम रोक के कारण नए नियम लागू नहीं हैं, लेकिन आंदोलन जारी है। इससे स्पष्ट है कि यह विवाद केवल कानूनी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक विश्वास, राजनीतिक रणनीति और चुनावी समीकरणों से भी जुड़ चुका है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपकी ऊर्जा और आत्मविश्वास का स्तर काफी ऊंचा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके लंबित पड़े काम तेजी से पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और धन लाभ के योग बनेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ खुशनुमा समय बिताने का मौका मिलेगा। सेहत का थोड़ा ध्यान रखें, खासकर बाहर के खाने-पीने से बचें।

वृषभ राशिः आज आपके रुके हुए कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी। आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन काफी लाभदायक रहने वाला है। व्यापारिक यात्राएं आपके लिए बेहद सफल और फायदेमंद साबित होंगी। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बढ़ेगा और प्रेम बना रहेगा। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए योग और ध्यान का सहारा लें।

मिथुन राशिः अपनी बुद्धिमत्ता से आप आज किसी कठिन समस्या का समाधान खोज लेंगे। नौकरी और व्यापार में आपको बेहतरीन नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। फिजूलखर्ची पर थोड़ा नियंत्रण रखें ताकि बजट संतुलित रहे। मित्रों का सहयोग हर मोड़ पर आपके हौसले को बढ़ाएगा। आज स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला और सामान्य फलदायी रहने वाला है। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी में कोई भी बड़ा फैसला लेने से बचें। सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतें और पर्याप्त आराम भी करें। अपनी भावनाओं को काबू में रखकर ही कोई बातचीत करें।

सिंह राशिः आपका नेतृत्व गुण आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता दिलाएगा। समाज और कार्यस्थल पर मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निवेश के दृष्टिकोण से आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। दोस्तों के साथ किसी मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है। खान-पान का ध्यान रखें ताकि पेट से जुड़ी समस्या न हो।

कन्या राशिः आज आपकी कड़ी मेहनत का पूरा और सकारात्मक फल आपको मिलेगा। व्यापार में नए समझौते हो सकते हैं जो भविष्य में लाभ देंगे। किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात आपकी खुशियां बढ़ा देगी। घर में मांगलिक या धार्मिक कार्य का आयोजन हो सकता है। दिन भर शारीरिक रूप से सक्रिय और स्वस्थ महसूस करेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आने वाला है। करियर में प्रगति के नए और बेहतरीन रास्ते खुलते दिखेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक मजबूत होगी। परिवार के साथ किसी मनोरंजक स्थान पर घूमने जा सकते हैं। किसी भी बात को लेकर व्यर्थ के तनाव से दूरी बनाएं।

वृश्चिक राशिः आज अपनी वाक्पटुता से आप दूसरों को प्रभावित करने में सफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का भरपूर और निष्ठावान सहयोग मिलेगा। वित्तीय मामलों में सोच-समझकर ही कोई भी कदम उठाएं। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें और समय दें। नियमित व्यायाम करने से आपका स्वास्थ्य काफी बेहतर रहेगा।

धनु राशिः आज आपको आपकी किस्मत का पूरा और सकारात्मक साथ मिलेगा। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि और भागीदारी बढ़ेगी। व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आएगी और अच्छा लाभ होगा। किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए दिन उत्तम है। दिनभर आपका स्वास्थ्य उत्तम और तरोताजा बना रहेगा।

मकर राशिः काम की व्यस्तता के बावजूद आज आप अपने लिए समय निकाल लेंगे। धन के लेन-देन में थोड़ी समझदारी और सावधानी बरतने की जरूरत है। परिवार में चल रहा कोई पुराना विवाद आज आसानी से सुलझ जाएगा। कार्यस्थल पर आपके काम की अधिकारी जमकर प्रशंसा करेंगे। सिरदर्द या आंखों में थकान की समस्या हो सकती है।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए नई संभावनाएं और सफलता लेकर आया है। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। प्रेम जीवन में मिठास बनी रहेगी और रिश्ते मजबूत होंगे। व्यापारिक दृष्टिकोण से लिया गया निर्णय बेहद लाभदायक रहेगा।

मीन राशिः कला और रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है। नौकरी में पदोन्नति या किसी नई जिम्मेदारी के मिलने के योग हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियों का आप पूरी निष्ठा के साथ निर्वाह करेंगे। पैसों की बचत करने की योजना आज काफी सफल साबित होगी। उचित आहार और योग से आपका स्वास्थ्य एकदम ठीक रहेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में हारीं स्टार शटलर तन्वी शर्मा

एजेंसी, असान (दक्षिण कोरिया)

भारत की 17 वर्षीय स्टार शटलर तन्वी शर्मा का कोरिया मास्टर्स 2026 में शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें ऑल-इंडियन मुकाबले में रक्षिता रामराज ने 18-21, 21-19, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर सबसे कम उम्र की चैंपियन बनने वाली तन्वी ने पहला गेम अपने नाम कर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, रक्षिता ने दमदार वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा गेम जीत लिया। इस जीत के साथ रक्षिता ने तन्वी के खिलाफ अपना आमने-सामने का रिकॉर्ड 4-0 कर लिया। हार के बावजूद तन्वी ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में कई उच्च रैंकिंग खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया, जिससे इस महीने होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप से पहले उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ। इससे पहले प्री-क्वार्टरफाइनल में तन्वी ने ऑल-इंडियन मुकाबले में० श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया था। अब सेमीफाइनल में रक्षिता का सामना भारत की अश्मिता चालिहा से होगा। अश्मिता ने शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। पुरुष युगल में भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और कृष्ण प्रसाद गरागा ने दक्षिण कोरिया के किम यंग-ह्युक और शिन ताए-यांग को 21-18, 21-19 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, महिला युगल में सोनाली सिंह और रितिका ठाकेर को जापान की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी सुमिरे नाकादे और मियू ताकाहाशी ने 21-15, 21-9 से हराया। मिश्रित युगल में छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ईशान भटनागर और श्रुति मिश्रा को दक्षिण कोरिया के शिन ताए-यांग और किम यू जंग के खिलाफ 21-16, 16-21, 21-13 से हार का सामना करना पड़ा।

डीपीएलः आर्यन गौर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में गुरुवार रात अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पुरानी दिल्ली 6 ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 27 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज आर्यन गौर की विस्फोटक पारी और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की अहम भूमिका रही।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 177 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज आर्यन गौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर 91 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और चार छक्के शामिल रहे। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। आर्यन के 13वें ओवर में ऋतिक शोकीन का शिकार बनने के बाद पुरानी दिल्ली 6 की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते हुए 155 रन पर सात विकेट खो दिए। हालांकि, अंत में दिग्वेश सिंह राठी ने नौ गेंदों पर नाबाद 19 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम का स्कोर 177 रन तक पहुंचाया। न्यू दिल्ली टाइगर्स की ओर से ऋतिक शोकीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्मण ने भी चार ओवर में 29 रन देकर चार विकेट झटके। 178 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू दिल्ली टाइगर्स की टीम कभी भी लय हासिल नहीं कर सकी। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम दबाव में रही और 119 रन तक पहुंचते-पहुंचते पांच विकेट गंवा दिए। कप्तान हिम्मत सिंह ने 25 गेंदों पर 36 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। निर्धारित 20 ओवर में न्यू दिल्ली टाइगर्स की टीम आठ विकेट पर 150 रन ही बना सकी और मुकाबला 27 रन से हार गई।

पिछले 10 माह मेरे लिए बेहद कठिन रहे : नीरज

एजेंसी, नई दिल्ली

हाल में राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतने वाले शीर्ष भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का कहना है कि पिछले कुछ समय में उन्हें फिटनेस से जुड़े मामलों को लेकर काफी मुश्किलों से जूझना पड़ा है। नीरज के अनुसार बीते 10 माह मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे और इस दौरान मुझे ऐसा समय भी देखना पड़ा जैसा पहले कभी नहीं देखा था और न ही उसकी कल्पना की थी। ऐसे में राष्ट्रमण्डल में जीता पदक वापसी की ओर बढ़ते कदम हैं। नीरज के अनुसार वह जांघ की मांसपेशियों की चोट और कुछ अन्य शारीरिक परेशानियों से प्रभावित रहे। उनके फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया कठिन थी। चोटों के कारण उनका सत्र देर से शुरू हुआ, जिससे उन्हें कई प्रतियोगिताओं से दूर रहना पड़ा। हालांकि, वह बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही लय हासिल करने में सफल रहे। सोशल मीडिया में राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा करते हुए नीरज ने अपने अनुभवों को बताय। उन्होंने लिखा, कुछ भाले लंबी दूरी तय करते हैं और कुछ पल पूरी यात्रा का भार अपने साथ लेकर आते हैं।

पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने आगे कहा, कई चोटों से उबरना, अपने शरीर को दोबारा मजबूत बनाना, फिर से लय हासिल करना और उस समय धैर्य रखना काफी मुश्किल था। मैं केवल प्रतियोगिता में उतरना चाहता था जिसके लिए हर दिन अभ्यास कर रहा था, लेकिन यह भी नहीं पता था कि इस साल मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं।पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी थी, और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उन्होंने केवल एक प्रतियोगिता में भाग लिया था।

एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं मोहित

एजेंसी, नई दिल्ली। कर्नाटक के युवा खिलाड़ी एचएस मोहित को एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए दूसरे गोलकीपर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मोहित इससे बेहद उत्साहित है क्योंकि उनका भारतीय टीम से खेलने का सपना पूरा होने जा रहा है। एफआईएच विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इसमें अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा भारतीय टीम के पहले गोलकीपर रहेंगे। सूरज से इस टूर्नामेंट में मोहित को काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा। युवा मोहित ने पिछले कुछ समय में अपने शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में इस खिलाड़ी ने काफी अच्छी गोलकीपिंग कर कई गोल बचाये थे। मोहित ने जूनियर विश्व कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया इसके बाद उन्हे सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह जगह मिली है। हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में मोहित ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मेरी हमेशा से यही सोच रही है कि भारत के लिए बड़े टूर्नामेंट खेलूं। जूनियर विश्व कप में हम पदक नहीं जीत सके थे और चौथे स्थान पर रहे थे। तभी से मेरा सपना था कि भारत के लिए कुछ बड़ा करूं। मोहित ने भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश से मिली सीख को भी याद किया।

श्रीलंका दौरे में शायद ही डेब्यू कर पाये सारांश : आकाश चोपड़ा

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में स्पिनर सारांश जैन को अंतिम ग्यारह में शायद ही जगह मिले। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से शुरु होगी। पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन के कारण सारांश को पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली है। आकाश ने सोशल मीडिया में साझा किए गए एक वीडियो में बताया सारांश को अंतिम ग्यारह में जगह मिलने की संभावना नहीं होने के कारण भी बताये हैं। उन्होंने कहा, मुझे अभी भी लग रहा है कि सारांश को अंतिम ग्यारह में अवसर नहीं मिलेगा। इसका कारण है भारतीय टीम के पास पहले से ही चार स्पिनर हैं। साथ ही कहा, मानव सुथार अपने डेब्यू मैच में ही मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे , इसलिए उन्हें जगह मिलना तय है। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा वापसी कर रहे हैं और उन्हें बाहर नहीं बैठाया जा सकता है। इसके अलावा टीम के पास अनुभवी चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव भी हैं। वहीं श्रीलंकाई टीम में दाएं हाथ के ज्यादा बल्लेबाज होंगे और इसे देखते हुए सारांश को मेरे अनुसार अवसर नहीं मिलेगा। आकाश ने अभिमन्यु ईश्वरन को याद करते हुए कहा कि घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके आने वाले खिलाड़ियों को कम ही अवसर मिलते दिख रहे हैं। साथ कहा कि अगर स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर फिट होते, तो सारांश को टीम में ही अवसर नहीं मिला। इसलिए श्रीलंका के खिलाफ सारांस के डेब्यू की उम्मीद बेहद कम है।

बिजनेस

फिल्म और टीवी शो बनाने वाली कंपनी ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट का आईपीओ लॉन्च, 11 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

खेल-खेल में, द डिप्लोमैट, ओएमजी-2 जैसी फिल्मों के साथ ही कॉमेडी सर्कस, क्राइम पेट्रोल, बालवीर, सजन रे झूठ मत बोलो, लेडीज स्पेशल, सास बिना ससुराल, कॉमेडी नाइट्स जैसे टीवी शो प्रोड्यूस कर चुकी बॉलीवुड प्रोड्यूसर विपुल डी शाह की प्रोडक्शन कंपनी ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट इंडिया का 108.50 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 14 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम तीन बजे तक यह आईपीओ को 45 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 166 रुपये से लेकर 175 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,80,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 62 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 88 करोड़ रुपये के 50 लाख नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि 20.50 करोड़ रुपये के 12 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 44.94 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 31.51 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 13.55 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए एलएसआई फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां शीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट इंडिया की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 6.69 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 17.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टेट बैंक का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 13.7 फीसदी बढ़कर 24,113 करोड़ रुपये

एजेंसी, मुंबई । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान किया है, जिसमें बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 13.73 फीसदी बढ़कर 24,113 करोड़ रुपये रहा है। बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 13.73 फीसदी बढ़कर 24,113 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 21,201.47 करोड़ रुपये और जनवरी-मार्च तिमाही में 19,642.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एसबीआई के मुताबिक एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 10.23 फीसदी बढ़कर 21,121.22 करोड़ रुपये रहा है, जो वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 19,160.44 करोड़ रुपये था। इस दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 1.43 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 1.35 लाख करोड़ रुपये थी। वहीं बैंक का कुल खर्च बढ़कर 1.10 लाख करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में 1.04 लाख करोड़ रुपये था।

अकासा एयर ने 4 साल पूरे होने पर शुरू किया लॉयल्टी कार्यक्रम 'अकासा एलीवेट'

एजेंसी, नई दिल्ली

विमानन कंपनी अकासा एयर ने अपने परिचालन के 4 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को अपना लॉयल्टी कार्यक्रम अकासा एलीवेट शुरू किया। कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने अबतक के सफर को बेहद रोमांचक बताया।

एयरलाइन की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि इसका उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना है। कंपनी ने कहा कि 07 अगस्त, 2022 को उड़ान परिचालन शुरू करने वाली एयरलाइन ने आज 4 वर्ष पूरे कर लिए हैं। कंपनी ने बताया कि 'अकासा एलीवेट' कार्यक्रम के तहत सदस्य पात्र उड़ानों के साथ सहायक उत्पादों और सेवाओं पर अंक भी अर्जित कर सकेंगे। एयरलाइन ने कहा कि 'अकासा एलीवेट' को ग्राहकों की निष्ठा के बदले उन्हें अधिक मूल्य, व्यक्तिगत पहचान और बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। एयरलाइन ने कहा कि लोगों, जगहों और संभावनाओं को जोड़ने के हमारे चार साल पूरे। कंपनी ने कहा कि चाहे तेजी से टियर में आगे बढ़ना हो, अनलिमिटेड प्रायोरिटी सर्विस हो या ज़्यादा फ़्लेक्सिबिलिटी, हर फीचर को खासतौर पर आपके लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। अपनी यात्रा को बेहतर बनाने के लिए तैयार हैं? अभी जुड़ें: https://bit.ly/qp_elevate शुक्रिया कहने का एक खास तरीका।

एयरलाइन ने कहा कि सुलभ हवाई यात्रा के जरिए भारत के एविएशन सेक्टर की तरक्की में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मिले सहयोग के लिए हम आभारी हैं और देश की सेवा जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

सोना और महंगा, चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना आज 3,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में 3,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तेजी आ गई है। इसके विपरीत हाजिर चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,260 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,39,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,49,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स का आईपीओ, 11 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

सीवरेज नेटवर्क, वाटर सप्लाई स्कीम्स, पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रिब्यूशन और रोड इंफ्रास्ट्रक्चर का काम करने वाली कंपनी टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स का 251.88 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 14 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद इस आईपीओ को निवेशकों ने हाथों हाथ लिया है, जिसकी वजह से दोपहर 2:30 बजे तक यह आईपीओ को 1.82 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 200 रुपये से लेकर 212 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 70 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम-से-कम एक लॉट यानी 70 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,840 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,920 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 910 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,18,81,000 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 202 करोड़ रुपये के 95,05,000, नए शेयर जारी हो रहे हैं, जबकि लगभग 50 करोड़ रुपये के 23,76,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए खंबाटा सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 19.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 28.20 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 43.32 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई।

द पैराडाइज के नए पोस्टर ने मचाई हलचल, इस दिन लॉन्च होगा नानी की फिल्म का टीजर

2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में शामिल द पैराडाइज को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है. नेचुरल स्टार नानी की इस फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो अपने दमदार अंदाज, शानदार विजुअल्स और जबरदस्त डायलॉग्स की वजह से खूब चर्चा में रहा. वहीं फिल्म का गाना आया शेर भी बड़ा चार्टबस्टर साबित हुआ है और यूट्यूब पर 20 करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल कर चुका है. नानी स्टारर द पैराडाइज में निर्देशक श्रीकांत ओडेला के साथ उनकी जोड़ी एक बार फिर देखने को मिलेगी. दसरा की बड़ी सफलता के बाद दोनों का यह दूसरा कोलैबोरेशन है, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं. फिल्म के पोस्टर्स, प्रमोशनल मैटेरियल और आया शेर गाने ने पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त माहौल बना दिया है. हाल ही में मेकर्स ने ऐलान किया था कि फिल्म का ग्रैंड टीजर आज 6 अगस्त को रिलीज़ होगा. अब टीजर लॉन्च से पहले मेकर्स ने नानी का नया इंटेंस पोस्टर जारी किया है. पोस्टर में नानी बेहद दमदार और रफ-टफ अंदाज में एक विशाल काले कौवे पर खड़ी नजर आ रही हैं. लाल चमकती आंखों वाला यह कौवा पोस्टर को और भी रहस्यमयी और ताकतवर लुक दे रहा है. पोस्टर पर टीजर की रिलीज डेट भी साफ तौर पर दिखाई गई है. फिल्म के प्रमोशन के दौरान यह कौवा लगातार नजर आता रहा है. माना जा रहा है कि यह नानी के किरदार का प्रतीक है और यही वजह है कि यह फिल्म के सबसे चर्चित एलिमेंट्स में से एक बन गया है. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, उसके साये के भी उड़ने के लिए पंख हैं. द पैराडाइज का टीजर 6 अगस्त को रिलीज होगा. द पैराडाइज का गाना आया शेर सिर्फ व्यूज के मामले में ही नहीं, बल्कि लाइक्स के मामले में भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है. इस गाने को यूट्यूब पर अब तक 18 लाख (1.8 मिलियन) से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, जो दर्शकों के बीच इसकी जबरदस्त लोकप्रियता को दिखाता है. स्ट्रीमिंग चार्ट्स से लेकर सोशल मीडिया तक आया शेर का दबदबा बना हुआ है, जिससे फिल्म द पैराडाइज को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है. एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी द पैराडाइज 21 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम समेत कुल आठ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा. फिल्म को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए मेकर्स ने कथित तौर पर हॉलीवुड स्टार रायन रेनॉल्ड्स से इंटरनेशनल मार्केट में इसे प्रेजेंट करने के लिए संपर्क किया है. दमदार निर्देशन, शानदार स्टारकास्ट और बड़े ग्लोबल विजन के साथ द पैराडाइज सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई अनुभव के रूप में सामने आ रही है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

नितेश तिवारी की मचअवेटेड फिल्म रामायण से बॉलीवुड डेब्यू को तैयार सुरभि दास
बनीं सीता की बहन श्रुतकीर्ति

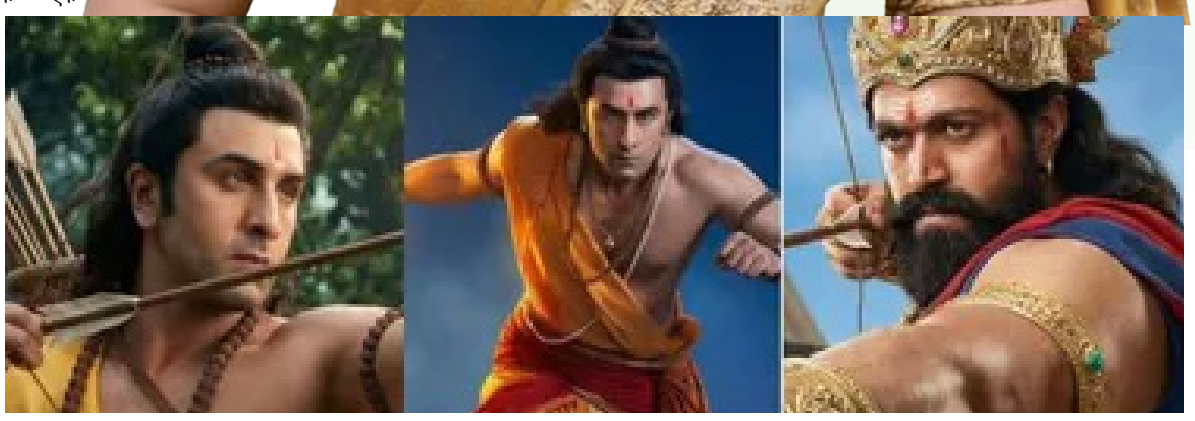

फिल्ममेकर नितेश तिवारी की मचअवेटेड फिल्म रामायण का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है, जो अपने वीएफएक्स, किरदार और कहानी को लेकर लोगों के बीच चर्चा में बना हुआ है। ट्रेलर में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार महत्वपूर्ण किरदार में नजर आए हैं। इस फिल्म में कई ऐसे स्टार भी दिखाई देंगे, जो इस फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा होंगे। हम बात कर रहे हैं सुरभि दास की, जो 4000 करोड़ में बनी रामायण से बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। टेलीविजन पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड रामायण में नजर आने वाली हैं।

अपने टेलीविजन करियर के लिए नॉर्थ-ईस्ट से मुंबई आईं सुरभि दास को नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण में एक अहम भूमिका मिली है। सुरभि दास ने बताया कि उनका सफर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के लिए एक ऑडिशन से शुरू हुआ था। हालांकि, कन्फर्मेशन आने में लगभग दो महीने लग गए और तब तक वह अपने शो पांड्या ब्रदर्स की शूटिंग शुरू कर चुकी थीं। सुरभि ने कहाः मैं मुकेश छाबड़ा के पास गई और ऑडिशन दिया। लगभग दो महीने बाद मुझे फोन आया कि मुझे चुन लिया गया है। उसके बाद लुक टेस्ट और कॉस्ट्यूम ट्रायल हुए। धीरे-धीरे मुझे सब समझ आने लगा। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि मैं इन दिग्गजों के साथ स्क्रीन शेयर करूंगी। यह एक अद्भुत एहसास है और मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं। हाल के सालों में टेलीविजन पर काम करने के बावजूद उन्होंने साफ किया कि फिल्मों में उनका आना किसी निराशा की वजह से नहीं, बल्कि एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ने की सच्ची इच्छा की वजह से था। मैं इसे संघर्ष नहीं कहूंगी। यह बस एक प्रक्रिया है। हम फिल्मी परिवारों से नहीं आते हैं, जहां कोई एक फोन कॉल करके हमें काम दिला सके। आपको ऑडिशन देना होता है और लगातार ऑडिशन देते रहना पड़ता है, जब तक आपके प्रोजेक्ट रिलीज नहीं हो जाते, आपको सही रोल मिलने पर कास्टिंग डायरेक्टर से संपर्क करते रहना पड़ता है। सुरभि ने दिवाली 2026 को रिलीज होने वाली रामायण में रोल मिलने के बारे में बात की और अपने किरदार को लेकर बात की। उन्होंने कि वह श्रुतकीर्ति का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा, मैं उर्मिला का किरदार नहीं निभा रही हूं। मैं श्रुतकीर्ति का किरदार निभा रही हूं, जो सीता की सबसे छोटी बहन और शत्रुघ्न की पत्नी हैं। मैं रामायण का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी हूं, भले ही यह एक छोटा सा रोल हो। जब मुझे फोन आया तो मैं सोचती रही कि क्या मुझे सिर्फ शॉर्टलिस्ट किया गया है या फिल्म के लिए पक्का चुन लिया गया है। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था। इतनी बड़ी स्टार कास्ट और इतने बड़े पैमाने पर बन रही फिल्म का हिस्सा बनना किसी सपने जैसा लग रहा था। सुरभि दास ने कहा कि उन्हें लगातार मौके मिलते रहे। इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने बताया कि जब मैं असम से आई थी तब मैं पहले से ही निमा डेंजोंगपा कर रही थी। उसके बाद मैंने पांड्या स्टोर किया। फिर AMैंने टेलीविजन से दूर होने का फैसला किया। रामायण में काम किया और अब मेरे पास दो और फिल्में हैं। मैं खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे कभी भी काम के बिना लंबे समय तक खाली नहीं बैठना पड़ा। वह 1971 की लड़ाई पर आधारित एक फिल्म में दिखाई देने वाली है। इसके अलावा विकास बहल की दिल का दरवाजा खोलना डालिंग भी शामिल है।

जिया खान केस में अभी भी दोषी मानना बेहद पीडादायकः सूरज पंचोली

अभिनेत्री जिया खान की मौत से जुड़े मामले में अप्रैल 2023 में अदालत द्वारा बरी किए जाने के बावजूद, कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और खबरें अब भी इस केस को अनसुलझा बता रही हैं। इसको लेकर बॉलीवुड अभिनेता सूरज पंचोली ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। सूरज पंचोली ने कहा कि अपनी बेगुनाही साबित करने में उन्हें जीवन के चौदह बहुमूल्य वर्ष लग गए, और अब भी उन्हें दोषी मानना बेहद पीड़ादायक है। सूरज पंचोली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबा नोट साझा कर अपने मन की बात कही। उन्होंने बताया कि इतने सालों तक उन्होंने चुप्पी इसलिए साधे रखी क्योंकि वह किसी की निजी जिंदगी और सम्मान को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। अब जब अदालत का फैसला उनके पक्ष में आ चुका है, तब भी लोगों द्वारा उन्हें दोषी समझना या मामले को अनसुलझा बताना उन्हें अत्यधिक दुख पहुंचाता है। अपने पोस्ट में सूरज ने लिखा कि जब यह दुखद घटना हुई, तब उनकी उम्र केवल 20 साल थी और वह जिया खान को सिर्फ चार महीने से जानते थे। उन्हें इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि जिया किस मानसिक तनाव से गुजर रही थीं। उन्होंने आगे कहा कि वह उस वक्त इतने परिपक्व नहीं थे कि किसी व्यक्ति के भीतर छिपे दर्द को समझ पाते, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी। उन्होंने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए अगले 14 साल संघर्ष किया। ये उनके जीवन के वो महत्वपूर्ण वर्ष थे, जब उन्हें अपना भविष्य बनाना चाहिए था, लेकिन वह एक ऐसे मुकदमे का बोझ उठाते रहे जिसने उनके 20वें दशक और 30वें दशक का बड़ा हिस्सा ले लिया। हर दिन मन और दिल पर उन्होंने जो बोझ महसूस किया, उसे केवल वही जानते हैं। सूरज पंचोली ने यह भी कहा कि उन्होंने इस मामले पर चुप रहने का फैसला किया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि किसी को भी उनके बारे में कुछ भी लिखने का अधिकार मिल जाता है। सम्मान की वजह से उन्होंने कभी सार्वजनिक रूप से उन निजी संघर्षों या तकलीफों के बारे में बात नहीं की जो जिया खान ने उनसे साझा की थीं। उन्होंने हर हाल में उनकी निजता की रक्षा की, और बदले में वह सिर्फ अपने लिए वही निष्पक्षता और सम्मान चाहते हैं। अंत में, सूरज ने मीडिया और लोगों से अपील की कि अगर वे उनकी कहानी बताना चाहते हैं, तो पूरी सच्चाई और तथ्यों के साथ बताएं। अभिनेत्री जिया खान 3 जून 2013 को मुंबई स्थित अपने फ्लैट में मृत पाई गई थीं। शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या माना गया, लेकिन बाद में उनकी मां ने इसे हत्या बताते हुए कई सवाल उठाए। उस समय सूरज पंचोली और जिया खान के रिश्ते की काफी चर्चा हुई थी, और सूरज पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था।

बिग बॉस फेम सोनिया बंसल का श्रेया कालरा को समर्थन, बोलीं- हर कहानी के कई पहलू होते हैं

बिग बॉस फेम अभिनेत्री सोनिया बंसल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपनी दोस्त और लॉक अप सीजन 2 की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा को लेकर दिया गया बयान है। सोशल मीडिया पर श्रेया कालरा और आकांक्षा चौधरी के बीच हुए विवाद को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच सोनिया ने खुलकर अपनी राय रखी है और श्रेया का समर्थन करते हुए कहा है कि किसी भी इंसान को सिर्फ एक घटना या सोशल मीडिया पर चल रही बातों के आधार पर नहीं आंकना चाहिए। सोनिया बंसल ने श्रेया कालरा के समर्थन में बात करते हुए कहा कि वह उन्हें लंबे समय से जानती हैं और उनके काम करने के तरीके से अच्छी तरह परिचित हैं। श्रेया मेरे लिए सिर्फ कंटेस्टेंट नहीं, बल्कि अच्छी दोस्त भी हैं।

सोनिया ने कहा, मैं लॉक अप सीजन 2 के लिए पूरी तरह श्रेया कालरा का समर्थन कर रही हूं, क्योंकि सबसे पहले वह मेरी दोस्त हैं। उन्होंने पहले मेरा इंटरव्यू लिया था और हर बातचीत में मैंने उन्हें बेहद मेहनती, सम्मान देने वाली और अपने काम को लेकर गंभीर पाया है। जिस आत्मविश्वास के साथ वह खुद को पेश करती हैं और लोगों से जुडने के लिए कंटेंट बनाती हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है। आकांक्षा चौधरी से जुड़े विवाद पर बात करते हुए सोनिया ने कहा, इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। मैं किसी भी व्यक्ति के बारे में सिर्फ ऑनलाइन चर्चाओं के आधार पर राय नहीं बनातीं। हर कहानी के कई पहलू होते हैं और किसी भी मामले को पूरी तरह समझने के लिए सभी पक्षों को जानना जरूरी है। मैं जानती हूं कि श्रेया किस तरह की इंसान हैं, इसलिए मैं उनका समर्थन कर रही हूं। उन्होंने आगे कहा, हम सभी से गलतियां होती हैं, गलतफहमियां भी होती हैं और कई बार परिस्थितियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। सबसे जरूरी बात यह है कि इंसान अपनी गलतियों से क्या सीखता है और आगे कैसे बढ़ता है। उन्होंने कहा, मेरे लिए दोस्ती का मतलब सिर्फ तब साथ देना नहीं है, जब सब कुछ अच्छा चल रहा हो। असली दोस्ती तब होती है, जब कोई आलोचनाओं का सामना कर रहा हो और आपको उसके साथ खड़ा होना पड़े। मैं चाहती हूं कि लोगों को श्रेया को अपनी बात रखने का मौका देना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि दर्शक श्रेया की शो की जर्नी को खुले मन से देखेंगे और पहले से कोई धारणा नहीं बनाएंगे। वहीं, लॉक अप सीजन 2 में श्रेया कालरा की क्षमता को लेकर भी सोनिया ने उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि श्रेया में एक मजबूत खिलाड़ी बनने की सभी खूबियां हैं। वह समझदार हैं, निडर हैं और दर्शकों से जुडना अच्छी तरह जानती हैं।

खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में वापसी कर रही रुबीना दिलैक

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक अपने जुड़वां बच्चों को जन्म देने के बाद अब खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में अपनी वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि मां बनने के बाद इस एडवेंचर रियलिटी शो में लौटना उनके लिए शारीरिक रूप से बेहद मुश्किल रहा। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के बाद उनके शरीर में कई महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं, और उन्हें लगा कि शायद उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, मुझे पहले ही स्टंट में यह एहसास हो गया था कि मुझे और अधिक मजबूत बनने के लिए शायद चार-पांच साल और इंतजार करके फिर वापस आना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि इस शो में केवल शारीरिक रूप से मजबूत होना ही मायने नहीं रखता, बल्कि मानसिक दृढ़ता (मेंटल रेजिलिएंस) कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। स्टंट के दौरान उन्हें यह अच्छी तरह समझ आ गया कि अब या फिर कभी नहीं, क्योंकि दृढ़ता, मानसिक स्थिरता और समय, कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने की हिम्मत अंदर से ही आती है, न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, मेरे अंदर के मजबूत माइंडसेट ने मुझे शारीरिक सीमाओं के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की। तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं वास्तव में मजबूत थी। शारीरिक तौर पर यह बहुत चुनौतीपूर्ण था। रुबीना ने बताया कि उनके लिए यह अनुभव एक मजबूत इच्छाशक्ति का प्रमाण था, जो उन्हें हर स्टंट में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा था। एडवेंचर रियलिटी शो में अपनी पिछली भागीदारी से अपने इस नवीनतम स्टीन्ट की तुलना करते हुए रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने अपनी शारीरिक क्षमताओं में तत्काल अंतर महसूस किया। उन्होंने कहा, जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई शारीरिक चुनौतियां थीं, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं और यह एक नई चुनौती थी। बता दें कि रुबीना ने साल 2023 में अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ जुड़वां बेटियों, जीवा और एधा का स्वागत किया था।

लंच बॉक्स को अधिक पौष्टिक बनाने के लिए अपनाएं ये 5 सरल तरीके

लंच बॉक्स में खाने की तैयारी करना एक कला है, जो आपके दिनभर की ऊर्जा को बनाए रखने में मदद करता है। सही पोषण आपको शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल सुझाव देंगे, जिनसे आप अपने लंच बॉक्स को अधिक पौष्टिक और संतुलित बना सकते हैं, जिससे आपका दिन बेहतर हो सके।

सब्जियां आपके लंच बॉक्स का अहम हिस्सा होनी चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, और बथुआ विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होती हैं। इनमें फाइबर भी होता है जो पाचन को बेहतर बनाता है। इन्हें अपने लंच बॉक्स में शामिल करने से आपकी ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है और आपको थकान महसूस नहीं होती। सब्जियों को हल्का सा भूनकर या भाप में पकाकर खाने से उनका स्वाद बढ़ जाता है और पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। प्रोटीन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी होती है क्योंकि यह मांसपेशियों को मजबूत बनाती है और शरीर को ऊर्जा देती है। इसके लिए आप अपने लंच बॉक्स में दाल, चना, राजमा या छोले जैसी चीजें शामिल कर सकते हैं। इनका सेवन करने से आपको भरपूर प्रोटीन मिलती है और यह आपके शरीर को ताकत देती है। प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन दिनभर की थकान को दूर करता है और आपको तरोताजा महसूस करवाता है। फल विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। साथ ही ये आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं। अपने लंच बॉक्स में एक या दो फल जैसे सेब, केला या संतरा जरूर रखें। इनका सेवन करने से आपको ताजगी महसूस होगी और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। फलों का सेवन न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह आपको मानसिक रूप से भी तरोताजा रखता है। पानी शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। अगर आप ऑफिस या कॉलेज जाते हैं तो एक छोटी बोतल में पानी भरकर ले जाएं और समय-समय पर उसे पूरा करें। इससे आपका पाचन ठीक रहेगा और शरीर में हानिकारक तत्व भी बाहर निकलेंगे। पानी पीने से आपको थकान महसूस नहीं होगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे। स्नैक्स भी लंच बॉक्स का अहम हिस्सा होते हैं। चिप्स या बिस्किट खाने की बजाय नट्स, मखाना या भुने चने जैसे सेहतमंद विकल्प चुनें। ये स्नैक्स न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि आपके शरीर को जरूरी पोषण भी देते हैं। इनसे आपको ऊर्जा मिलती रहती है और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करते हैं। इन सरल सुझावों को अपनाकर आप अपने लंच बॉक्स को पौष्टिक बना सकते हैं, जिससे आपका दिन बेहतर गुजर सकेगा।

BRIFF NEWS

Survey: 81% of study-abroad aspirants plan to return home

New Delhi, Agency: The foreign degree may be global, but the career plan is largely homeward-bound: 81% of Indian study-abroad aspirants surveyed by Oxford International said they planned to return to India after completing their courses. Nearly nine in 10 were the first in their family to pursue education overseas, while almost half said the decision to go abroad was their own.

The findings are part of the third edition of Student Global Mobility Index, which combines 17,925 responses to core questions with about 2,400 responses to additional questions on courses, family background, information sources and post-study plans.

Land-grab case: Supeme Court grants interim bail to Abhishek's PA

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Thursday granted a week-long interim bail to Sumit Roy, personal assistant to TMC general secretary Abhishek Banerjee, in the Salboni land-grabbing case but asked him to make himself personally available for investigation in the police station concerned without being accompanied by an advocate or other persons.

An FIR was registered against Roy after his name cropped up during the interrogation of former TMC MLA Sujoy Hazra, who was arrested in June.

Iltija booked for 'assaulting' cop; PDP says she was manhandled

Srinagar, Agency: J&K Police registered an FIR against PDP's Iltija Mufti, accusing her of assaulting a police officer during the party's protest against the abrogation of Article 370 on Tuesday, an officer said.

Iltija has been booked under sections 121, 132 and 191 of BNS that relate to assaulting public servants and rioting. Police have also named her mother, former CM and PDP chief Mehbooba Mufti, for allegedly violating restrictions.

According to police, Iltija allegedly assaulted a cop while he was discharging his duties. They alleged she bit his forearm, causing it to bleed.

PDP, however, denied the charges and accused police of manhandling Iltija and injuring her. Arif Amin, a PDP functionary, said he saw Iltija trying "to peacefully reach Lal Chowk to register her protest".

Govt Extends Wildlife Relief Beyond Forests

Champaran residents to get compensation for wildlife attacks in non-forest areas; DM urges prompt reporting as human-animal conflict rises

Sagar Suraj | Motihari

Residents of East & west Champaran who suffer loss of life, injuries, livestock deaths or property damage due to attacks by wild animals outside notified forest areas will now be eligible for government compensation under an expanded relief framework, district authorities said on Friday.

The move follows detailed guidelines issued by the Bihar government's Environment, Forest and Climate Change Department to address the growing incidence of human-wildlife conflict in villages and other inhabited areas, particularly those adjoining the Valmiki Tiger Reserve (VTR) and flood-prone regions.

District Magistrate of East Champaran Suman Saurabh Yadav said the initiative aims to ensure that affected families receive timely financial assistance and urged people to immediately report any wildlife-related incident to the forest department and local police as per the prescribed procedure.

According to the guidelines, the next of kin of a person killed in a wildlife attack will receive 10 lakh as ex gratia assistance. A person sustaining grievous injuries will be entitled to 1.44 lakh, while those with minor injuries will receive 24,000. Compensation has also been provided for the loss of cattle, goats, sheep and other domesticated animals, as well as for damage to houses, crops and other property after official assessment, officials said.

Officials said both Champaran has witnessed frequent movement of wild animals from the Valmiki Tiger Reserve, especially during the monsoon when floods displace wildlife from their natural habitat. Animals such as tigers, jackals, foxes, nilgai and other species have occasionally entered villages, damaging crops and, in some instances, posing a threat to human life.

The administration said cases involving human death or injury must be reported to the nearest forest range office, divisional forest office and police station within 24 hours. Livestock deaths must also be reported within the same period, and the carcass should not be removed before inspection by forest officials. Damage to crops or houses must be reported within 48 hours, along with land ownership documents and revenue receipts.

Divisional Forest Officer (DFO) Ameet Kumar appealed to residents not to chase, trap or provoke wild animals entering villages and instead alert the forest department immediately so trained rescue teams can respond safely.

'Power Banks' for satellites? Bengaluru Company builds tech to keep ageing spacecraft alive

Banglore, Agency: What if satellites could simply plug into a power bank instead of drifting away when they run out of fuel? That's the idea driving a Bengaluru startup building "jetpack" satellites designed to latch onto ageing spacecraft, take over their propulsion duties and keep billion-dollar assets working years longer.

After recently validating a key part of its technology at an Isro facility used for India's SpaDeX docking mission, Aule Space is now preparing for what could become one of the world's most ambitious private satellite docking demonstrations.

For satellite operators, running out of fuel doesn't necessarily mean spacecraft have reached the end of life. In many cases, expensive communication satellites remain fully functional, but can no longer maintain their assigned orbital positions because they have exhausted the propellant needed for station-keeping. Once that happens, operators are forced to retire assets worth hundreds of millions of dollars.

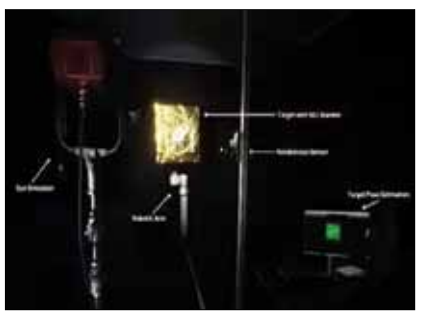

Aule has found another way. "We're trying to build satellites which can go and dock to existing satellites in space which don't have any installed ports... and extend their life so that they can keep generating revenue," CEO Jay Panchal, told Media. "It's like a power bank," he added.

Instead of attempting the far more complicated task of refuelling satellites in orbit, Aule's approach is to send a smaller "jetpack" spacecraft that docks with an existing communications satellite and assumes responsibility for station-keeping using its own propulsion system. The company plans to target geostationary communication satellites, many of which cost more than $300 million to build and generate significant annual revenues.

The challenge lies in docking with satellites that were never designed to be serviced.

J&K CM visits flood-hit Rajouri reviews relief measures

Jammu, Agency: J&K CM Omar Abdullah visited flood-hit Rajouri district Thursday to assess the destruction caused by last month's rain fury. He directed authorities concerned to expedite restoration works, intensify relief and rehabilitation efforts, and adopt long-term mitigation measures to safeguard vulnerable areas.

Recognising that the existing relief structure was inadequate to cover reconstruction and rehabilitation costs, the CM assured citizens that the government would enhance the quantum of relief and provide comprehensive rehabilitation assistance to families whose houses were damaged and those rendered landless. Families who lost their homes as well as agricultural land will be provided five marlas (around 1,361.2sqft) for rehabilitation, said Omar, directing Rajouri deputy commissioner to identify suitable government land for the purpose.

15 Indian seafarers killed in West Asia and Black Sea conflicts: Regulator

New Delhi, Agency: Conflicts in West Asia and the Black Sea have claimed the lives of 15 Indian seafarers, while two remain missing in 57 separate incidents over the past three months, India's maritime regulator, Directorate General of Maritime Administration (DGMA), said on Thursday, describing the current geopolitical situation as "extremely challenging". Addressing the National Port Security Conference in the capital, DGMA Shyam Jagannathan said drone and missile attacks on defenceless merchant vessels had become rampant in parts of the Black Sea. "Piracy off the coast of Somalia is reappearing. The Houthi security threat, which accounted for more than 154 incidents in 2024, has resurfaced," he said. Jagannathan said the conflicts had significantly increased global logistics costs. He said since the end of Feb, the DGMA has been in an extremely high state of alert.

The regulator said it had strengthened coordination for rescue operations, vessel movements and issuance of advisories, while ensuring compliance with best management practices for piracy response, validation of citadel preparedness and coordination among multiple security agencies.

Following directions from shipping minister Sarbananda Sonowal, the DGMA has also put in place a mechanism to track every Indian seafarer operating in high-risk waters, making the administration accountable for their safety, security and early repatriation. Speaking at the conference, Sonowal said as India's maritime footprint expands, "the responsibility to secure it also grows".

5.7 lakh people fined Rs 5.1 cr in 2025-26 for smoking in public

New Delhi, Agency: More than 5.7 lakh people were fined for smoking in public across India in 2025-26, with authorities collecting over Rs 5.1 crore in penalties under the Cigarettes and Other Tobacco Products Act (COTPA), according to data tabled in the Rajya Sabha. The figures, however, revealed wide variations in enforcement, with several states reporting no violations or fines during the year. Health ministry said enforcement of the ban on smoking in public places was primarily the responsibility of state governments, while the Centre issued advisories and implementation guidelines, including a dedicated handbook for law enforcers issued in 2024. Smoking in public places is prohibited under Section 4 of COTPA, and violations attract a fine of up to Rs 200 under Section 21 of the Act.

Weeding out dead wood aim of compulsory retirement, says Supreme Court

New Delhi, Agency: It is not punitive to hand out compulsory retirement to someone, particularly in the armed forces, whose performance is slackening over the years, the Supreme Court said Thursday while rejecting the plea of a CISF officer challenging his removal from service on the ground of poor performance.

A bench of Justices Prashant Kumar Mishra and Shree Chandrashekhar said compulsory retirement should not be seen as punitive but as a measure needed to ensure a high standard of efficiency and discipline in the force. "The object underlying compulsory retirement is to weed out the dead wood so as to maintain a high standard of efficiency and integrity in public service," the bench said, adding such an order is "not punitive in nature", carries no stigma and is passed in public interest on the government's subjective satisfaction. It, however, said compulsory retirement is open to judicial scrutiny if the order is mala fide, arbitrary or perverse.

Rejecting the officer's plea, the bench noted his performance had declined in the two years preceding the retirement order, with gradings dropping from "Good" to "Average".

India's first high-altitude wildlife safari to come up in Ladakh

Srinagar, Agency: In a bid to prevent illegal off-roading and disturbance to wildlife, Ladakh administration Thursday approved the introduction of India's first-ever high-altitude wildlife safari on popular snow leopard and bird-watching trails in the Union Territory's upper reaches. Ladakh is home to India's largest snow leopard population - 477 of the country's estimated 718 snow leopards. The UT also supports more than 38 mammal species, 340 bird species and 1,800 vascular plant species, which have drawn significant tourist attention over the years.

Under this sustainable eco-friendly tourism initiative, visitors will get a rare, guided opportunity to witness the region's distinctive flora and fauna, a government spokesperson said.

The decision was made in the first governing body meeting of the newly constituted Snow Leopard and High-Altitude Nature (SHAN) Conservation Society, chaired by Ladakh Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena, the spokesperson said. Saxena directed the forest department to introduce guided jeep safaris on the lines of popular national parks like Kaziranga, Ranthambore, and others, using specially designed open-back vehicles driven by trained local drivers and guides.

Apart from including areas like Nubra, Zanskar, Sham, Kargil and Drass - known to have sizeable populations of the elusive snow leopard and avian diversity - Saxena told the department to explore possible safari routes across Hemis National Park, Changthang and Karakoram wildlife sanctuaries, the spokesperson said. Govt will appoint 20 local youths and train them in bird-watching, bird identification, and spotting skills. They will be provided with all necessary equipment.

SHAN Society, constituted by Saxena on June 16 this year, seeks to formulate a comprehensive roadmap for community-led wildlife conservation and waste management, and to promote plastic-free tourism, sustainable livelihood generation, and responsible eco-tourism across Ladakh through environmental education and empowerment of local communities.

"These efforts aim at conserving Ladakh's natural heritage so that future generations inherit an ecosystem that is richer, healthier and more resilient. Our vision is to establish Ladakh as a global example of community-led conservation and responsible high-altitude mountain tourism," Saxena said.